



चीन के सीकेट स्पेसप्लेन पर नया खुलासा... पेज 5

दैनिक



कारखाने का सफर



घर में लगाएं पानी में उगने वाले लें पौधे... पेज 7

वर्ष 7, अंक 133

भोपाल, शुक्रवार 30 अक्टूबर, 2026



कार्तिक कृष्ण पक्ष, पंचमी, 2083

मूल्य 2 रुपए



आज का मौसम 30 अक्टूबर: चक्रवाती तूफान अर्नब ने गिरा दिया पारा, यूपी-दिल्ली समेत 10 राज्यों में बारिश का अलर्ट

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान अर्नब ने देश के ज्यादातर राज्यों का मौसम बदल दिया है। यूपी-बिहार समेत उत्तर प्रदेश के ज्यादातर राज्यों में पारा तेजी से गिरा है जिसकी वजह से सर्दी बढ़ गई है। वहीं आसमान में बादलों ने डेरा डाल रखा है। यूपी, झारखंड, पंजाब, हरियाणा और राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में गुरुवार को बारिश हुई है। वहीं राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बारिश के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। कई जगहों पर बिजली गिरने का भी अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और पहाड़ी राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है। IMD का कनह है कि अगले 24 से 48 घंटे तक तेज हवाओं और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। वहीं 1 नवंबर से मौसम फिर से साफ हो जाएगा। एक दिन पहले यह आंध्र प्रदेश और यानम तट

से टकराया था। इसके प्रभाव से पश्चिम बंगाल, झारखंड और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हुई, जबकि ओडिशा में बाढ़ आ गई। दिल्ली (30 अक्टूबर, 16 डिग्री तक गिरा पारा) - दिल्ली-एनसीआर में बारिश के चलते पारा 15 से 16 डिग्री तक आ गया। दिल्ली में कर्नाट प्लेस, लोधी गार्डन, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर बारिश हुई। इसके साथ ही नोएडा और गाजियाबाद में भी सड़कें भीगी हुईं नजर आईं। मौसम विभाग ने कहा है कि शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बारिश के चलते लोगों को प्रदूषण से भी राहत मिली है।

उत्तर प्रदेश (30 अक्टूबर, तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट) - मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती और सिद्धार्थनगर में कल से ही रुक-रुककर बूँदा-बाँदी और बारिश का सिलसिला जारी है। वहीं पश्चिमी यूपी में आगरा, अलीगढ़, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड, मेरठ और हथरस में भी मौसम बदल गया है। आज यहां भी बारिश हो सकती है।

बिहार (30 अक्टूबर, बिजली गिरने की भी चेतावनी) - बिहार और

झारखंड में भी चक्रवाती तूफान अर्नब अपना पूरा असर दिखा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार और झारखंड के ज्यादातर जिलों में छिटपुट बारिश होगी। वहीं आसमान में बादल बने रहेंगे। बिहार के पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, रोहतास, भोजपुर, पटना, दरभंगा, सिवान और अररिया में मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक ओडिशा के तटीय इलाकों में तूफान अब भी पूरा असर दिखाएगा। हालांकि चक्रवात अर्नब अब कमजोर होकर ओडिशा के ऊपर कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित हो रहा है। वहीं ओडिशा के ऊपर बना पश्चिमी विक्षोभ उत्तर की ओर बढ़ गया है। 31 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। बंगाल की खाड़ी में एक और सिस्टम बन रहा है जिसकी वजह से नवंबर में भी आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में बारिश हो सकती है। नॉर्थ वेस्ट मॉनसून की वजह से पहले से भी इन इलाकों में बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई, जबकि शिमला, जुब्बड़हट्टी, सुंदरनगर, कांगड़ा, मुरारी देवी और पालमपुर में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं।

SIP बोनस पर एकतरफा परिपत्र के विरोध में AIBEU-NFITU ने किया प्रेरणा भवन का घेराव

35,000 बोनस पर प्रबंधन के निर्णय का विरोध, मुनाफे के 10% के आधार पर बोनस निर्धारण की मांग



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल कॉर्पोरेट प्रबंधन द्वारा SIP बोनस के संबंध में जारी एकतरफा परिपत्र के विरोध में अल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन (AIBEU-NFITU) के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने गुरुवार सुबह 9 बजे प्रेरणा भवन का घेराव कर जोरदार विरोध दर्ज कराया।

यूनियन के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026 को आयोजित JCM की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में SIP बोनस की राशि पर केंद्रीय नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। इसके बावजूद 28 अक्टूबर को कॉर्पोरेट प्रबंधन द्वारा 35,000 SIP बोनस के भुगतान संबंधी परिपत्र जारी करना एकतरफा निर्णय है, जो कर्मचारियों के हितों और औद्योगिक संबंधों की स्थापित परंपराओं के विपरीत है। इस अवसर पर यूनियन के महासचिव *रामनारायण गिरी* ने प्रबंधन के निर्णय पर कड़ा विरोध जताते हुए मांग की कि जारी परिपत्र

में संशोधन कर 35,000 की राशि को अंतिम भुगतान मानने के बजाय एडहॉक (अंतरिम) भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि बीएचईएल के कर्मचारियों को कंपनी के मुनाफे में उनके योगदान के अनुरूप बोनस मिलना चाहिए। यूनियन की प्रमुख मांग है कि *बीएचईएल के शुद्ध मुनाफे का 10% हिस्सा बोनस के लिए निर्धारित किया जाए*, ताकि कर्मचारियों को कंपनी के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन का न्यायसंगत लाभ मिल सके। इसके साथ ही SIP बोनस निर्धारण के लिए पारदर्शी एवं सर्वसम्मत फॉर्मूला तैयार करने और इस विषय पर शीघ्र JCM बैठक बुलाने की मांग की गई। यूनियन ने चेतावनी दी कि कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी से असंतोष बढ़ सकता है, जिसका असर कंपनी के औद्योगिक संबंधों पर पड़ेगा। AIBEU-NFITU ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के सम्मान, अधिकारों और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

अमेरिकी सेना में हड़कंप, टॉप जनरल ने लीक की ईरान जंग की खुफिया जानकारी, फायर

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका सेना में इस वक्त बवाल मचा हुआ है। ईरान युद्ध को लेकर बढ़ते खर्चों, सैनिकों के बीच भूखमरी के हालात जैसी खबरों और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर बढ़ते दबाव के बीच अब एक टॉप अमेरिकी जनरल पर गाज गिरी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पीट हेगसेथ ने खुफिया जानकारी को लीक करने के आरोप में शीर्ष जनरल को पद से बर्खास्त कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ईरान पर नए हमले करने के संकेत दे रहा है। कहा जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महज US मिडटर्म की वजह से रुके हुए हैं। यानी 3 नवंबर के बाद ईरान पर एक बार फिर हमला हो सकता है। इस बीच अब खुफिया जानकारी के लीक होने की खबर से हड़कंप मचा हुआ है।

इससे पहले पीट हेगसेथ ने बड़ा एक्शन लेते हुए ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में रणनीति, योजना और नीति के निदेशक के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्वेरिया को पद से हटाया है। अमेरिकी मिडिया ने आंतरिक जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया है कि लेफ्टिनेंट जनरल सिल्वेरिया ने पिछले एक साल में कुछ पत्रकारों को ईरान और रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ी खुफिया जानकारी लीक की। यह भी बताया जा रहा है कि जनरल ने ऐसा करने की बात स्वीकार की है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सिल्वेरिया गोपनीय जानकारी साझा करने से जुड़े मामलों में तीन पॉलीग्राफ यानी लाइ-डिटेक्टर टेस्ट में फेल रहे। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक जांच के दौरान कई पॉलीग्राफ टेस्ट में फेल होने के बाद सिल्वेरिया ने खुद दो अलग-अलग मॉडिया आउटलेट्स के पत्रकारों के साथ क्लासिफाइड जानकारी साझा करने की बात स्वीकार की।

1994 में यूएस मिलिट्री एकेडमी से ग्रेजुएट हुए सिल्वेरिया अमेरिकी सेना के सबसे अनुभवी अधिकारियों में से एक रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 101वीं एयरबोर्न डिवीजन की कमान संभाली, जो अमेरिकी सेना की सबसे घातक और युद्ध के लिए तैयार ताकतों में से एक मानी जाती है। वे कई बार इराक और अफगानिस्तान में तैनात रह चुके हैं। अमेरिका उन्हें उन्हें डिस्टिंग्विशड सर्विस मेडल और छह ब्रॉज स्टार मेडल जैसे सैन्य सम्मानों से नवाज चुका है।



चुके हैं। अमेरिका उन्हें डिस्टिंग्विशड सर्विस मेडल और छह ब्रॉज स्टार मेडल जैसे सैन्य सम्मानों से नवाज चुका है।

ईरान युद्ध में बढ़ते खर्चों के लिए आलोचना सेल रहे पीट हेगसेथ इससे पहले सैन्य अधिकारियों की संख्या में 20 प्रतिशत की कटौती करने का ऐलान कर चुके हैं। उनकी इस सफाई अभियान के तहत अब तक कम से कम 26 जनरलों और एडमिरलों को इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया है या सीधे सीधे बर्खास्त कर दिया गया है। इसकी शुरुआत ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के तत्कालीन अध्यक्ष जनरल चार्ल्स ब्राउन को हटाने से हुई थी। उसी दिन नौसेना प्रमुख लिंसा फ्रैंचेटी को भी पद से हटा दिया गया था। इसके बाद पिछले साल नवंबर में तत्कालीन वायुसेना प्रमुख जनरल डेविड ऑल्लिवन ने भी इस्तीफा दे दिया था। उस समय ऐसी खबरें आई थीं कि हेगसेथ उन्हें पहले से ही पद से हटाने की योजना बना रहे थे।

इसके बाद ईरान युद्ध के चरम पर रहने के दौरान अप्रैल में अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को भी पद से हटा दिया गया था। हाल ही में अमेरिकी सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने भी इस्तीफा दे दिया। इन सभी अधिकारियों के साथ हेगसेथ की अनबन की खबरें थीं। ऐसे समय में जब ईरान युद्ध से निपटने के तरीके को लेकर हेगसेथ को पहले ही आलोचना हो रही है, अब सेना में बड़े पैमाने पर अधिकारियों की छुट्टी किए जाने से हेगसेथ पर दबाव बढ़ सकता है।

भेल भोपाल की जेसीएम पात्रधारी यूनियनों का एसआईपी बोनस के विरोध में संयुक्त विरोध

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भेल भोपाल की तीनों प्रतिनिधि यूनियनों हेवू-बीएमएस, हेस्टू-एचएमएस, ओर भेक्टू-सीटू ने प्रबंधन द्वारा SIP राशि 35,000 निर्धारित करने के संबंध में जारी सकुलर संख्या AA/HR/IR/360 के विरोध में गुरुवार को संयुक्त पत्र सौंपकर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

यूनियनों के अनुसार दिनांक 28 अक्टूबर की बैठक में 35,000 की राशि स्वीकार नहीं की गई थी और तत्काल प्रत्यक्ष JCM बुलाकर चर्चा के माध्यम से निर्णय लेने की मांग की गई थी। कुछ यूनियन की सहमति के सकुलर जारी करना प्रबंधन की एकतरफा एवं दुर्भाग्यपूर्ण कार्यप्रणाली की दशांता है।

तीनों यूनियनों की दोट्टक मांग है:

- जारी सकुलर पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए।
- SIP राशि पर चर्चा के लिए तत्काल प्रत्यक्ष JCM बुलाई जाए।
- कर्मचारियों के हितों से जुड़े निर्णय सभी संबंधित प्रतिनिधि यूनियनों को विश्वास में लेकर किए जाएं।



कर्मचारियों की मेहनत से BHEL की प्रगति है। कर्मचारियों की आवाज को नजरअंदाज करके निर्णय थोपना स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रबंधन तत्काल संवाद स्थापित करे, अन्यथा कर्मचारियों में बढ़ते

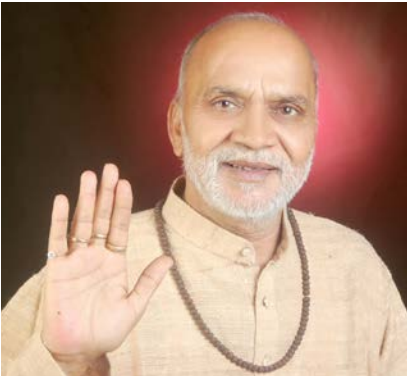
असंतोष की जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। संयुक्त रूप से विरोध दर्ज कराने वाली यूनियनें: HEWU-BMS HESTU-BMS और BHEKTU-CITU

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियो के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706



गतांक से आगे: लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी गुरुदेव के बताए अनुसार दौलत मिस्त्री ने बनाई गर्भगृह के मुख्य द्वार पर आकर्षक डिजाइन, गुरुदेव ने स्मृति चिह्न एवं श्री दादाजी दर्शन पत्रिका भेंट कर किया सम्मानित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल श्री दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल के निर्माण से जुड़ा प्रत्येक प्रसंग अपनी विशिष्टता और आध्यात्मिक महत्व रखता है। मंदिर के गर्भगृह के मुख्य द्वार पर सीमेंट से तैयार की गई आकर्षक कलात्मक डिजाइन भी ऐसा ही एक विशेष प्रसंग है। इस डिजाइन की विशेष बात यह थी कि दौलत मिस्त्री ने दादाजी गुरुदेव द्वारा बताए गए तरीके और उनके निर्देशों के अनुसार ही इसे तैयार किया था। परम पूज्य दादाजी गुरुदेव मंदिर के निर्माण कार्य की बारीकियों पर विशेष ध्यान देते थे। गर्भगृह के मुख्य द्वार की डिजाइन तैयार करते समय भी उनके बताए अनुसार कार्य किया गया। दौलत मिस्त्री ने गुरुदेव के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए अपनी कारीगरी, मेहनत और कुशलता से सीमेंट के माध्यम से आकर्षक डिजाइन बनाई। इस कार्य में उन्होंने बारीकी



और एकाग्रता के साथ अपने शिल्पकौशल का परिचय दिया। दादाजी गुरुदेव ने दौलत मिस्त्री के कार्य की सराहना करते हुए बताया कि उन्होंने बहुत बारीकी से काम किया है। गुरुदेव के बताए अनुसार डिजाइन को उसी प्रकार तैयार करना और उसकी बारीकियों का ध्यान रखना उनके समर्पण तथा कार्यकुशलता को दर्शाता है। इस प्रकार गर्भगृह के मुख्य द्वार की डिजाइन में गुरुदेव के निर्देशों के साथ कारीगर की मेहनत और दक्षता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। उत्कृष्ट कार्य के लिए दौलत मिस्त्री का सम्मान दौलत मिस्त्री द्वारा किए गए इस विशेष कार्य से प्रसन्न होकर दादाजी गुरुदेव ने उन्हें दादाजी धाम मंदिर का स्मृति चिह्न तथा श्री दादाजी

दर्शन पत्रिका भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उनके परिश्रम, लगन और गुरुदेव के बताए अनुसार कार्य को बारीकी से पूरा करने के प्रति आदर का प्रतीक था। इस अवसर पर दादाजी गुरुदेव के साथ अनेक भक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। छायाचित्र में गुरुदेव द्वारा दौलत मिस्त्री को सम्मानित किए जाने का यह महत्वपूर्ण क्षण सुरक्षित है। यह प्रसंग बताता है कि दादाजी गुरुदेव कार्य की सुंदरता के साथ-साथ उसे करने वाले व्यक्ति की मेहनत और निष्ठा को भी महत्व देते थे। दादाजी धाम मंदिर का गर्भगृह श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। उसके मुख्य द्वार पर बनाई गई कलात्मक डिजाइन मंदिर की सुंदरता को बढ़ाती है। गुरुदेव के निर्देशों के

अनुसार तैयार की गई इस डिजाइन में उनकी कल्पना और दौलत मिस्त्री के शिल्पकौशल का समन्वय दिखाई देता है। यह संस्मरण हमें प्रेरणा देता है कि किसी भी कार्य को पूरी श्रद्धा, एकाग्रता और समर्पण से किया जाए, तो वह अपनी अलग पहचान बनाता है। दादाजी गुरुदेव द्वारा दौलत मिस्त्री को सम्मानित किया जाना श्रम की गरिमा, प्रतिभा के आदर और सेवा-भावना का प्रेरणादायक उदाहरण है। दादाजी गुरुदेव के बताए अनुसार तैयार की गई गर्भगृह के मुख्य द्वार की यह कलात्मक डिजाइन मंदिर की सुंदरता के साथ-साथ गुरुदेव के मार्गदर्शन और दौलत मिस्त्री की मेहनत की स्मृति भी है।

इंदौर से केमिकल लाकर उज्जैन में खपा रहे थे:2 दिन में नकली जहरीले दूध-घी के 4 सौदागर गिरफ्तार

दैनिक कारखाने का सफर। मंदसौर

मंदसौर जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की सुस्ती के बीच पुलिस ने नकली दूध और घी बनाने वाले नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। दो दिनों के भीतर शामगाढ़ और सुवासरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों स्थानों से भारी मात्रा में मिलावटी सामग्री बरामद की गई है, जिसमें 91 कट्टे मिल्क पाउडर, 10 कट्टे यूरिया, पाम ऑयल, वनस्पति घी, लिक्विड सोप, प्रोसेसिंग मशीनें, गैस सिलेंडर और गाढ़ा मिक्सर शामिल हैं। शामगाढ़ पुलिस ने डूंगरखेड़ी स्थित ठिकाने से फरार चल रहे सगे भाइयों कृष्णपाल सिंह और शिवराज सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी इंदौर से केमिकल व कच्चा माल लाकर अपने बाड़े में कृत्रिम दूध तैयार करते थे और इसे उज्जैन के घोसला क्षेत्र स्थित एक प्रसिद्ध मिल्क प्लांट में खपाते थे। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की गंभीर धाराओं के साथ गैर-इरादतन हत्या के प्रयास की धारा 110 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। वहीं सुवासरा पुलिस ने खेजड़िया भूप में संचालित नकली दूध-घी की फैक्ट्री के मुख्य आरोपी पीरू सिंह और राम



सिंह को गिरफ्तार किया, जो पिछले दो साल से गरोठ व आसपास के अंचल में जहरीला दूध सप्लाई कर रहे थे। नकली दूध बनाने के लिए व्हे पाउडर में खतरनाक केमिकल, डिटेजेंट और पाम ऑयल का मिश्रण तैयार किया जाता है। फेट और एसएनएफ (SNF) की मात्रा बढ़ाने के लिए इसमें यूरिया मिलाया जाता है। यह जहरीला दूध सीधे लिबर और किडनी को नुकसान पहुंचाता है। लंबे समय तक इसके सेवन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है।

ग्वालियर के स्वदेशी मेले में मैग्नेटिक रामायण, छूते ही शुरू हो जाता है पाठ, चौपाइयों और भागवत के श्लोकों का सुन सकते हैं पाठ

दैनिक कारखाने का सफर। ग्वालियर

स्वदेशी मेले में इस बार तकनीक और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। यहां रखी बोलने वाली रामायण लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसकी खासियत है कि पुस्तक में लिखी रामचरितमानस की चौपाइयों और श्रीमद्भागवत के श्लोकों को छूते ही उनका पाठ सुनाई देने लगता है। इससे श्रद्धालु धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने के साथ सुन भी सकते हैं। बोलने वाली रामायण के बारे में वंदना भटौरिया ने बताया कि इसमें रामचरितमानस की चौपाइयों और श्रीमद्भागवत के श्लोक मुद्रित हैं। विशेष तकनीक की मदद से पाठक पुस्तक में किसी चौपाई या श्लोक को छूते हैं तो उसका पाठ सुनाई देने लगता है।

इससे लोग श्लोकों का सही उच्चारण और भाव सुनकर समझ सकते हैं। इस तकनीक की खासियत यह है कि जिन लोगों को धार्मिक ग्रंथ पढ़ने में कठिनाई होती है, वे भी आसानी से इनसे जुड़ सकते हैं। बच्चे और बुजुर्ग अपनी पसंद की चौपाई या श्लोक को छूकर उसका पाठ सुन सकते हैं। इससे धार्मिक साहित्य को समझना और उससे जुड़ना आसान होता है। आमतौर पर धार्मिक पुस्तकों को पढ़कर उनका पाठ किया जाता है, लेकिन बोलने वाली रामायण में पढ़ने और सुनने दोनों की सुविधा है। स्वदेशी मेले में इसे देखने और इसकी तकनीक समझने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। पारंपरिक धार्मिक ग्रंथों को आधुनिक तकनीक के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंचाने का यह एक अलग प्रयास है।

राज्य स्तरीय रेड रन मिनी मैराथन 2026 में युवाओं का उत्साह - एचआईवी/एड्स जागरूकता एवं नशामुक्ति का संदेश



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, मध्यप्रदेश तथा रेड रिबन क्लबों की संयुक्त पहल पर राज्य स्तर "रेड रन 2026 मिनी मैराथन" (10 किमी) का आयोजन दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को प्रातः 07:30 बजे ज्ञान-विज्ञान भवन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में किया गया। आयोजन की संगठन व्यवस्था बरकतउल्ला विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, भोपाल द्वारा की गई, जबकि सह-संगठन व्यवस्था द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइन्स, भोपाल (रासेयो इकाई) की रही तथा मुक्त इकाई रासेयो, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रो. दीन दयाल बेदिया, कुलगुरु, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल; डॉ. नलिनी गौड़, अपर परियोजना संचालक, मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति; डॉ. अशोक कुमार श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय निदेशालय (म.प्र.-छ.ग.); डॉ. मनोज कुमार अग्निहोत्री, राज्य रासेयो अधिकारी; डॉ. सविता ठाकुर, संयुक्त निदेशक (आई.ई.सी.), मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति; डॉ. अनंत कुमार सक्सेना, कार्यक्रम समन्वयक, रासेयो प्रकोष्ठ, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय; डॉ. राजकुमार वर्मा, युवा अधिकारी, भारत सरकार एवं श्री राहुल सिंह परिहार, ई.टी.आई. प्रशिक्षक एवं मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ परिचय के साथ श्री राहुल सिंह परिहार द्वारा किया गया तथा अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखा कर दल को रवाना किया गया। यह मैराथन ज्ञान-विज्ञान भवन से प्रारंभ होकर फुटपाथ



से होते हुए नारायण नगर के बाद एम्पी ओवरब्रिज एवं गणेश मंदिर ओवरब्रिज से गुजरती हुई डीबी मॉल के ठीक सामने स्थित ओवरब्रिज पर यू-टर्न लेकर उसी मार्ग से वापसी करते हुए पुनः ज्ञान-विज्ञान भवन पर समाप्त हुई। 10 किलोमीटर की इस दौड़ में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विश्वविद्यालय विजेता छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। मैराथन के साथ ही वॉकथॉन का आयोजन भी किया गया, जिसमें शेष रासेयो स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकथॉन के माध्यम से भी एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता एवं नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। आयोजन में एचआईवी/एड्स एवं नशा-मुक्ति जागरूकता को केंद्र में रखकर नुककड़ नाटक एवं प्लेस मॉब प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से युवाओं के बीच एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा नशा-मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। इसी कड़ी में पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं फेस पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें युवाओं ने

रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से जागरूकता का संदेश साझा किया। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लबों की यह संयुक्त पहल युवाओं को सामाजिक दायित्व से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। इस राज्य स्तर आयोजन का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना एवं स्वस्थ, नशा-मुक्त समाज के निर्माण हेतु उन्हें प्रेरित करना था। आयोजन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी इस दिशा में उत्साहवर्धक रही। युवा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे सकते हैं। मध्यप्रदेश मैराथन के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में प्रथम स्थान के विजेता को 10,000, द्वितीय स्थान पर 7,000 तथा तृतीय स्थान पर 5,000 की नकद राशि देकर विजेताओं को सम्मानित किया गया। बालिका वर्ग में अंजलि पाटीदार (बीयू, भोपाल) प्रथम, सुभीता कुशवाहा (अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा) द्वितीय तथा तुलसा अहिरवार (महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर) तृतीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में आदित्य खटीक (जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर) प्रथम, अनुराग भटौरिया (जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर) द्वितीय तथा धर्मेन्द्र पटेल (महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर) तृतीय स्थान पर रहे। बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विजेता आगामी 3 तारीख को पटना में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सविता ठाकुर, संयुक्त निदेशक (आई.ई.सी.), मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने आभार व्यक्त किया एवं द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइन्स, भोपाल के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डी.बी. सिंह द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

भोपाल में मेट्रो निर्माण से थमा ट्रैफिक... वाहनों की लंबी कतारें, भानपुर से प्रभात चौराहे तक भीषण जाम; 17 नवंबर तक रहेगा डायवर्सन



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते शहर की कई सड़कों पर यातायात व्यवस्था बिगड़ गई है। भानपुर ब्रिज से अयोध्या बायपास, मिनाल गेट नंबर-3 से जेके रोड होते हुए आईटीआई और गोविंदपुरा से प्रभात चौराहे तक भीषण जाम के हालात बने हुए हैं। लोग योजना घंटों जाम में फंसकर परेशान हो रहे हैं। मेट्रो निर्माण के चलते यातायात पुलिस ने कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया है, लेकिन वैकल्पिक रास्तों पर भी वाहनों का दबाव कम नहीं हो रहा है। हालात यह हैं कि डायवर्ट किए गए मार्गों पर भी लगातार जाम लग रहा है। वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है। मुख्य सड़कों पर जाम से बचने के लिए वाहन चालक गोविंदपुरा, जेके रोड और प्रभात चौराहे की ओर आने-जाने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया के अंदरूनी रास्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे इन संकरी सड़कों पर भी वाहनों की संख्या बढ़ गई है और यहां भी जाम की स्थिति बनने लगी है।



वाहन चालकों का कहना है कि जाम के दौरान यातायात पुलिस के जवान भी सड़कों पर नजर नहीं आते। ऐसे में ट्रैफिक को नियंत्रित करने में परेशानी होती है। मेट्रो निर्माण के बीच सुचारु यातायात के लिए प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और प्रमुख चौराहों पर पुलिस की तैनाती जरूरी है। भोपाल मेट्रो

आने-जाने वाले वाहन चालकों की निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजरना होगा। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्माण अवधि के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि आवागमन सुचारु बना रहे।

भोपाल की तिशा बनीं अंडर-11 तैराकी चैंपियन, इंदौर के शिशुकुंज को टीम रिवताब

सीबीएसई राष्ट्रीय बालिका तैराकी स्पर्धा का समापन, तिशा ने जीते दो स्वर्ण पदक



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी के प्रकाश तरुण पुष्कर में चार दिवसीय सीबीएसई राष्ट्रीय बालिका तैराकी प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। इसमें भोपाल की तिशा पंथी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-11 वर्ग की ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, इंदौर के द शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल ने ओवरऑल टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इसमें देश-विदेश के 300 से अधिक खिलाड़ियों के 750 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आईईएस पब्लिक स्कूल, भोपाल की तिशा पंथी ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 32.03 सेकंड और 50 मीटर बैस्टस्ट्रोक में 38.10 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीते। उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान शहर को गौरवान्वित किया। वहीं, शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर की टीम ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम चैंपियनशिप हासिल की।

अंतिम दिन भी खिलाड़ियों ने दिखाया दम प्रतियोगिता के अंतिम दिन 15 स्पर्धाओं के परिणाम घोषित किए गए। अंडर-19 के 50 मीटर बैकस्ट्रोक में द शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल की विहा ठाकुर ने 33.56 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। अंडर-14 की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में भी शिशुकुंज, इंदौर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-17 वर्ग की 400 मीटर मेडले स्पर्धा में बंगलुरु की मिहिका दत्ता और अंडर-19 वर्ग में मीनाक्षी गोपकुमार मेनन ने स्वर्ण पदक जीते।

अतिथियों ने किया सम्मानित समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आदर्श कटियार रहे। इस अवसर पर डॉ. संतोष कटियार, ओरिएंटल ग्रुप के चेयरमैन प्रवीण ठकराल, गौरव ठकराल, प्रतीक कटियार, सीबीएसई ऑब्जर्वर जगदीप सिंह, वैभव पाठक, आरके शर्मा और कैप्टन मनोज कुमार झा सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता की सभी स्पर्धाएं स्वचालित समय मापन प्रणाली से कराई गईं। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सफल आयोजन के लिए द ओरिएंटल स्कूल तथा आयोजन समिति को बधाई दी।

स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला : डॉ आर एच लता

माँ गंगा के तट पर राष्ट्रीय योगिनी नेतृत्व एवं आध्यात्मिक रिट्रीट का भव्य समापन



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

माँ गंगा के पावन तट पर स्थित परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में भारतीय योगिनी महासंघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय योगिनी नेतृत्व एवं आध्यात्मिक रिट्रीट 2026 का अत्यंत हर्षोल्लास, आध्यात्मिक ऊर्जा और आत्मीय वातावरण में भव्य समापन हुआ। महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर. एच. लता के नेतृत्व में आयोजित इस रिट्रीट में देश के विभिन्न राज्यों से आई योगिनी बहनें एवं महासंघ की वरिष्ठ पदाधिकारी बहनें ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस राष्ट्रीय आयोजन का उद्देश्य योगिनी बहनें के आध्यात्मिक विकास, नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक एकता तथा समाज सेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाना रहा। रिट्रीट के दौरान संगठन की गतिविधियों, शक्ति संवाद, सामाजिक पहलों, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर भारतीय योगिनी महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर. एच. लता ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग के जरिए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का यह महाअभियान है, जिसे योगिनी बहनों के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। योगिनी बहनें योग, स्वास्थ्य जागरूकता, सकारात्मक जीवनशैली और सामाजिक सेवा के माध्यम से इस लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने संगठन की सभी बहनों से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने, महिलाओं को सशक्त बनाने और योग के संदेश को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

डॉ. लता ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयास, अनुशासन, समर्पण और संगठनात्मक एकता के बल पर

महासंघ अपने सामाजिक एवं राष्ट्रीय उद्देश्यों को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। योगशक्ति से स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करें योगिनी बहनें : स्वामी चिदानंद सरस्वती एवं साखी भगवती सरस्वती का सान्निध्य और आशीर्वाद इस रिट्रीट का प्रमुख आकर्षण रहा। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने योगिनी बहनों को प्रेरित करते हुए कहा कि योगशक्ति का उपयोग समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में किया जाना चाहिए। उन्होंने स्वस्थ परिवारों और स्वस्थ समाज की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हर घर पूर्ण रूप से स्वस्थ रहे, यही कामना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए देश को योगिनी बहनों की बहुत आवश्यकता है। स्वामी जी ने सभी बहनों से मिलकर राष्ट्र निर्माण के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उनका संदेश रहा कि योग, स्वास्थ्य, आध्यात्मिकता और सेवा को जन-जन तक पहुंचाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। शक्ति संवाद में सामाजिक पहलों और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा : रिट्रीट के दौरान महासंघ के शक्ति संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रमों, सामाजिक पहलों, उपलब्धियों और भावी कार्ययोजनाओं पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान योगिनी बहनों ने अपने अनुभव साझा किए तथा संगठनात्मक एकता, महिला नेतृत्व, जनसेवा और योग के प्रचार-प्रसार को मजबूत करने पर जोर दिया। यह आयोजन आध्यात्मिक साधना के साथ नेतृत्व विकास, आपसी सहयोग और राष्ट्र के प्रति समर्पण को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर बना। समापन के पश्चात सभी योगिनी बहनें नई ऊर्जा, नवीन संकल्पों और सकारात्मक भावनाओं के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से रवाना हुईं।

बादलों से आंख-मिचौली करते चंद्रदेव ने रात 8:35 बजे दिए दर्शन, सुहागिनों ने अर्घ्य देकर खोला करवा चौथ का व्रत

दादाजी धाम में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे, महिलाओं ने किया विशेष रुद्राभिषेक; चितौड़ कॉम्प्लेक्स में चार परिवारों ने एक साथ मनाया करवा चौथ, 2007 से निभा रहे सामूहिक पूजन की परंपरा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर में गुरुवार को करवा चौथ एवं वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी का पावन पर्व श्रद्धा, आस्था एवं धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की आराधना के पश्चात सायं 5:30 बजे मंदिर के आचार्य पंडित राजेन्द्र पलिया के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक विशेष रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जल, दुग्ध एवं पवित्र सामग्री से अभिषेक कर बेलपत्र तथा पुष्प अर्पित किए। सुहागिन महिलाओं ने भगवान शिव-पार्वती की पूजा कर अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु एवं परिवार की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। हर-हर महादेव के जयघोष से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.), भोपाल के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने बताया कि परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव की पावन प्रेरणा से मंदिर में सनातन धर्म के प्रमुख पर्व श्रद्धापूर्वक वैदिक विधि-विधान से मनाए जाते हैं। चितौड़ कॉम्प्लेक्स में चार परिवारों ने एक साथ मनाया करवा चौथ एम.पी. नगर स्थित चितौड़ कॉम्प्लेक्स में चार परिवारों ने एक साथ मनाया करवा चौथ एम.पी. नगर स्थित चितौड़ कॉम्प्लेक्स में चार परिवारों ने सामूहिक रूप से करवा चौथ मनाकर पारिवारिक एकता, आपसी प्रेम एवं धार्मिक संस्कारों का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। शिवरतन नामदेव एवं अर्चना नामदेव, देवेंद्र वर्मा एवं मीना



वर्मा, सुयेश कुलश्रेष्ठ एवं सुषमा कुलश्रेष्ठ तथा सौरभ जैन एवं दिवेंकल जैन ने एक साथ इस पावन पर्व की परंपरा को आगे बढ़ाया। ये परिवार वर्ष 2007 से निरंतर सामूहिक रूप से करवा चौथ का पूजन करते आ रहे हैं। इस अवसर पर सभी परिवार अपने घरों में पारंपरिक व्यंजन तैयार कर साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा आपसी स्नेह, विश्वास और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक बन चुकी है। बारिश और बादलों के बीच रात 8:35 बजे हुए चंद्रदर्शन गुरुवार को भोपाल में लगातार बारिश एवं घने बादलों के कारण



कर विधिवत पूजन-अर्चन किया तथा पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य एवं परिवार की सुख-समृद्धि की मंगलकामना करते हुए व्रत का पारण किया। शिवरतन नामदेव ने बताया कि वर्ष 2007 से चली आ रही यह परंपरा चारों परिवारों के बीच आत्मीयता, प्रेम और धार्मिक आस्था को मजबूत करती है। करवा चौथ भारतीय संस्कृति में दाम्पत्य प्रेम, समर्पण एवं अखंड सौभाग्य का पावन पर्व है। इस अवसर पर सभी परिवारों ने भगवान शिव-पार्वती एवं श्रीगणेश से सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि तथा विश्व कल्याण की प्रार्थना की।

मीनालेश्वर मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया करवा चौथ पर्व

सुहागिन महिलाओं ने की पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारतीय संस्कृति में वैवाहिक प्रेम, अटूट विश्वास और समर्पण का प्रतीक पर्व करवा चौथ मीनालेश्वर मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। न्यू मिनाल सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बारिश और खराब मौसम के बावजूद महिलाओं का आस्था और भक्ति के साथ पूजन के लिए पहुंचना पर्व के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता रहा। कार्यक्रम में मिनाल सांस्कृतिक समिति की श्रीमती अनीता वर्मा, श्रीमती रिया सिंह, श्रीमती अनीता

मेहता एवं श्रीमती दीपा तुली, श्वेता मल्होत्रा की प्रमुख सहभागिता रही। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने विधि-विधान से करवा माता की पूजा-अर्चना कर अपने पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य तथा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। पूजन के दौरान महिलाओं ने करवा माता से सभी सुहागिनों के सुहाग की रक्षा, परिवारों में सुख-शांति और समृद्धि बनाए रखने तथा सभी के जीवन में खुशहाली लाने की कामना की। पूजा-अर्चना के पश्चात महिलाओं ने एक-दूसरे को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं और स्वस्थ, सुखी एवं मंगलमय

जीवन की कामना की। करवा चौथ का पर्व भारतीय परंपराओं में दाम्पत्य जीवन के प्रेम, विश्वास, त्याग और समर्पण का विशेष महत्व रखता है। यह पर्व न केवल पति-पत्नी के रिश्ते की मजबूती का प्रतीक है, बल्कि परिवार की एकजुटता और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश भी देता है। मीनालेश्वर मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सोहार्द और आपसी प्रेम की भावना को भी सुदृढ़ किया। महिलाओं ने करवा माता से प्रार्थना की कि उनकी कृपा सभी परिवारों पर बनी रहे तथा हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो।





लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में ‘डोनरों डॉक्ट्राइन’ लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हराने में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था।

ब्राजील में तमाम चुनाव-पूर्व अनुमानों को धता बताते हुए लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर- दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर-दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासी, और प्रागतिशील तबकों की अभूतपूर्व गोलबंदी की। उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पूरे लैटिन अमेरिका में ‘डोनरों डॉक्ट्राइन’ लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी ‘सुरक्षा नीति’ में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती-विहीन बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफी सफलता मिली है। वहां एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर-दक्षिणपंथी सरकारें हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको है। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजरे हफ्तों में ऐसी खबरें आईं कि पूर्व राष्ट्रपति जयोर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है। खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आरोप लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लामबंद था। चुनाव के दिन इलज़ाम लगे कि कई राज्यों के दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिवहन सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐन वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना को जीत हुई है। इससे ब्रिक्स+ राहत की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीतते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते। साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह उत्साहित होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर-दक्षिणपंथ के आक्रामक तेवर के निशाने पर हैं।

एक और नासूर नहीं!



स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुरतैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन का विरोध करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कदम स्थिति को और अधिक बिगाड़ देते हैं। अतः सरकार को संवाद का रास्ता चुनना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में सियांग बांध का विरोध तेज होने के साथ ही सरकार ने युवा आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कम-से-कम 47 लोगों पर मुकदमे दायर किए गए हैं। 26 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें पांच नाबालिग बताए जाते हैं। केंद्र ने रैपिड एक्शन फोर्स की टुकड़ियां वहां भेजी हैं। अशांति की स्थिति में प्रशासनिक कार्रवाई के औचित्य से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन बेहतर यह होगा कि वहां के हालात को सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या ना मानी जाए। समझा जाता है कि सियांग परियोजना पर अमल में तेजी तिब्बत में चीन के बांध बनाने के निर्णय के मद्देनजर लाई गई है। चीन के बांध से संभावित चुनौती का मुकाबला करने की पूर्व-तैयारी अपने-आप में समस्यग्रस्त सोच नहीं है। लेकिन इस दौरान स्थानीय निवासियों की इस राय को अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सियांग नदी पारंपरिक रूप से उनकी जिंदगी का सहारा रही है। इसलिए उस नदी के बहाव या उसकी प्राकृतिक संचरना में कोई परिवर्तन करने से पहले लोगों की सहमति पाना जरूरी है। वरना, यह परियोजना ऐसे जन अवंतोलोष का कारण बन सकती है, जो चीन से लगे उस सीमाई इलाके में एक स्थायी नासूर बन जाए। मणिपुर गुजरे साढ़े तीन साल से सुलग रहा है। ऐसे में उत्तर-पूर्व के एक और राज्य की आबादी में आक्रांश पैदा करने का जोखिम नहीं उठाना जा सकता। यह समझने की बात है कि जब स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुरतैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ दमनकारी कदमों का इस्तेमाल स्थिति को और अधिक बिगाड़ देता है। अतः सरकार को तुरंत सभी सख्त कदमों और जबरन फैसले थोपने की प्रवृत्ति पर विराम लगाने हुए व्यापक जन संवाद शुरू करना चाहिए। ग्राम सभाओं, बुद्धिजीवियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रभावित नागरिकों को इस प्रक्रिया में समान भागीदार बनाकर उनकी चिंताओं का परदर्शी समाधान निकाला जाना चाहिए। उससे विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवाम की सहभागिता बनाई जा सकेगी। वरना, उस क्षेत्र के लोग सियांग डैम को सत्तातंत्र की मनमानी के प्रतीक रूप में देखते रहेंगे।

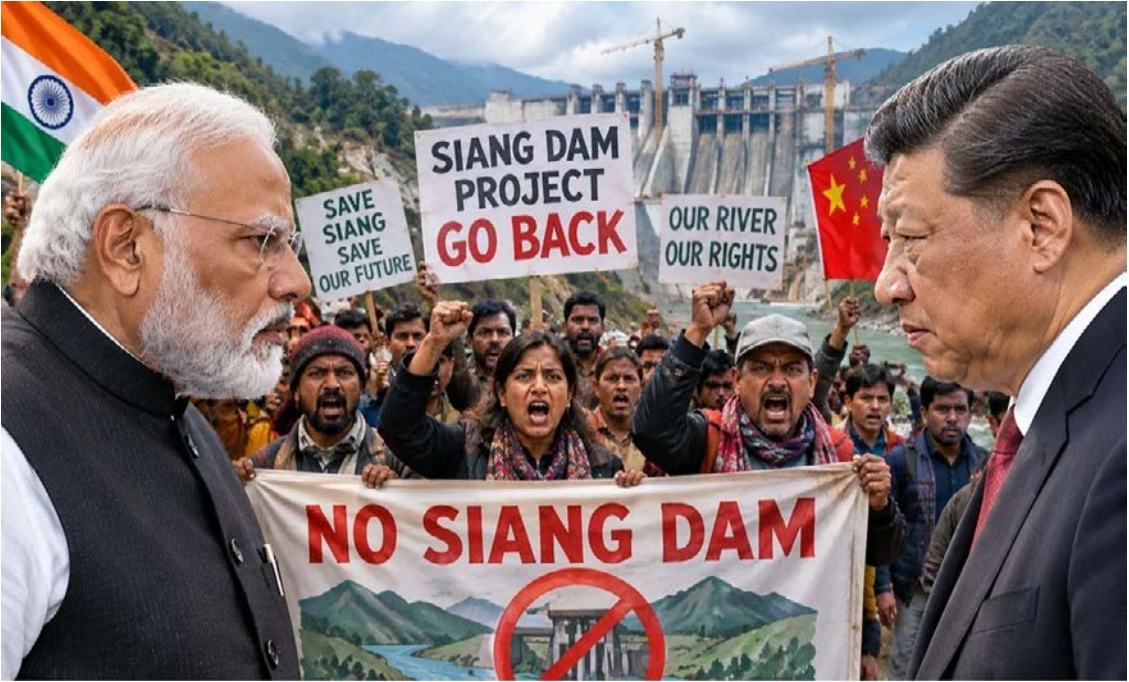
संपादकीय

भविष्य के लिए भारत की `रणनीतिक तैयारी` है!

अरुणाचल प्रदेश की सियांग नदी पर प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की सियांग अपर मल्टीपर्पज परियोजना (SUMP) के विरोध में उठे स्वरों का लगातार तेज होना केंद्र और राज्य सरकार के लिए मुश्किलों का सबब बन गया है। हालांकि यह बात भी सही है कि जब चीन तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक बना रहा है, तब भारत के लिए चुप बैठना आसान नहीं है। लेकिन इस परियोजना के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्थानीय लोगों की नाराजगी भी नजरअंदाज नहीं की जा सकती। देखा जाये तो एक तरफ चीन की चुनौती है, तो दूसरी तरफ अपनी जमीन, जंगल और पहचान बचाने की लड़ाई है। सवाल यह है कि चीन की बढ़ती ताकत का मुकाबला करने के लिए भारत को क्या करना चाहिए और इस कोशिश में अपने ही सीमावर्ती नागरिकों का भरोसा कैसे बनाए रखना चाहिए? हम आपको बता दें कि तिब्बत में ब्रह्मपुत्र की ऊपरी धारा यारलुंग त्सांगपो पर चीन लगभग 60,000 मेगावाट क्षमता की विशाल जलविद्युत परियोजना बना रहा है। यह भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही नदी अरुणाचल प्रदेश में सियांग और आगे असम में ब्रह्मपुत्र कहलाती है। नदी के ऊपरी हिस्से पर चीन की बढ़ती क्षमता भारत के सामने जल प्रवाह, बाढ़ प्रबंधन और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल खड़े करती है।

वहीं भारत की प्रस्तावित सियांग परियोजना चीन की बढ़ती जलविद्युत ताकत का जवाब देने की दिशा में एक अहम कदम है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के मुताबिक, इस परियोजना में करीब 9.2 अरब घन मीटर पानी जमा करने की क्षमता होगी, जबकि चीन की परियोजना की अनुमानित भंडारण क्षमता करीब 5.5 अरब घन मीटर है। यानी बिजली उत्पादन में चीन का बांध बड़ा हो सकता है, लेकिन पानी जमा करने के मामले में भारत की प्रस्तावित परियोजना अधिक सक्षम हो सकती है। यही इसकी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। अगर चीन भविष्य में ब्रह्मपुत्र के पानी के प्रवाह में बदलाव करता है, तो सियांग परियोजना भारत को जल प्रबंधन और बाढ़ नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प दे सकती है। इसलिए यह परियोजना केवल बिजली बनाने तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की जल सुरक्षा मजबूत करने और चीन के मुकाबले अपनी रणनीतिक स्थिति बेहतर बनाने का भी अवसर है। जहां तक इस परियोजना के विरोध की बात है तो आपको बता दें कि 23 अक्टूबर की रात पासीघाट में परियोजना विरोधी प्रदर्शन हिंसक हो गए। NHPC कार्यालय और पुलिस थाने में आगजनी हुई तथा राजनीतिक प्रतिनिधियों के आवासों में तौड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं सामने आईं। पुलिसकर्मियों के घायल होने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की और सार्वजनिक जमाखंडे पर प्रतिबंध लगाए। इस घटनाक्रम ने सरकार और स्थानीय संगठनों के बीच पहले से मौजूद अविश्वास को और उजागर किया।

रिपोर्टों के मुताबिक स्थानीय संगठनों ने यहां तक आरोप लगाया है कि केंद्र की परियोजना संबंधी पहल सियांग क्षेत्र को भारत-चीन रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का मैदान बना रही है। आदि बाने केबांग-यूनाइटेड नामक संगठन के प्रवक्ता दत्तिक रतन ने परियोजना के सर्वेक्षण, स्थानीय सहमति और पैतृक भूमि के अधिकारों को लेकर सवाल उठाए। संगठन ने दावा किया कि प्रभावित गांवों के लगभग 80 प्रतिशत परिवार परियोजना का विरोध कर रहे हैं। संगठन ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू को सार्वजनिक बहस की चुनौती भी दी और कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की अनदेखी करके विकास थोपे जाने के खिलाफ है। देखा जाये तो इस विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू स्थानीय लोगों की पहचान, सम्मान और सुरक्षा की भावना है। साथ ही आदि और गालो समुदायों के लिए सियांग नदी सिर्फ पानी का स्रोत नहीं, बल्कि उनकी कृषि, सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक जीवन और पूर्वजों की भूमि का आधार है। विरोधी संगठनों का दावा है कि



प्रस्तावित जलाशय से 27 गांव डूब सकते हैं और लगभग डेढ़ लाख लोग विस्थापित हो सकते हैं। इसके अलावा, सीमावर्ती समुदाय भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के महत्वपूर्ण साझेदार हैं। यदि उन्हें लगता है कि उनकी जमीन, संस्कृति और भविष्य के बारे में निर्णय उनकी आवाज सुने बिना लिए जा रहे हैं, तो अविश्वास बढ़ सकता है। देखा जाये तो चीन के सामने भारत की स्थिति मजबूत करने के लिए स्थानीय नागरिकों के साथ विश्वास का रिश्ता कमजोर करना किसी भी रणनीति के लिए नुकसानदेह होगा। हम आपको यह भी बता दें कि इस परियोजना के विरोध पर सवाल भी उठ रहे हैं। सियांग परियोजना पर अरुणाचल की राजनीति में अलग-अलग रुख दिखाई दे रहे हैं। कुछ नेता और संगठन इसे चीन की चुनौती का जवाब मानते हैं, जबकि दूसरे समूह इसे स्थानीय अस्तित्व और पर्यावरण से जुड़ा खतरा बताते हैं। बांध बनने के फायदे और न बनने की संभावित क्रीमत की यदि बात करें तो परियोजना के संभावित लाभों में बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन, रोजगार, बुनियादी ढांचे का विकास और जल भंडारण की अतिरिक्त क्षमता शामिल हैं। चीन की विशाल परियोजना के संदर्भ में यह भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक विकल्प दे सकती है। दूसरी ओर, हिमालयी क्षेत्र में भूकंप, भूस्खलन और अत्यधिक वर्षा जैसे जोखिम हैं। विस्थापन, उपजाऊ खेतों, जंगलों और ऐतिहासिक धरोहरों पर प्रभाव का निष्पक्ष मूल्यांकन भी जरूरी है। हम आपको यह भी बता दें कि सियांग परियोजना अभी पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन के चरण में है, लेकिन इसे केवल आज के फायदे-नुकसान के नजरिये से देखना पर्याप्त नहीं होगा। सवाल आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का भी है। तिब्बत में ब्रह्मपुत्र की ऊपरी धारा पर चीन जिस विशाल जलविद्युत परियोजना का निर्माण कर रहा है, उसके मद्देनजर भारत को भी अपनी जल सुरक्षा मजबूत करने के लिए समय रहते तैयारी करनी होगी। रणनीतिक चुनौतियों का जवाब संकट सिर पर आने के बाद नहीं, बल्कि पहले से तैयारी करके दिया जाता है। सियांग परियोजना भारत को बिजली उत्पादन, जल भंडारण और बाढ़ प्रबंधन की अतिरिक्त क्षमता दे सकती है। इसलिए इसके हर पहलू का गंभीरता से अध्ययन करना और इसकी संभावनाओं को आगे बढ़ाना देश के

दीर्घकालिक हित में महत्वपूर्ण है।

यह सही है कि स्थानीय लोगों की जमीन, आजीविका, संस्कृति और पर्यावरण से जुड़ी चिंताएं अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इन चिंताओं को दूर करे, प्रभावित परिवारों के अधिकारों की रक्षा करे और किसी भी संभावित नुकसान के लिए उचित पुनर्वास तथा मुआवजे की व्यवस्था सुनिश्चित करे। लेकिन लोगों को भी यह समझना होगा कि किसी परियोजना से जुड़ी आशंकाओं और उसके वास्तविक परिणामों में अंतर हो सकता है। अधूरी जानकारी, अफवाहों या राजनीतिक दावों के आधार पर फैसला करने के बजाय उन्हें तथ्यों, वैज्ञानिक आकलन और व्यापक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखना चाहिए। आज की तैयारी कल की सुरक्षा बन सकती है। यदि वैज्ञानिक अध्ययन यह साबित करते हैं कि सियांग परियोजना सुरक्षित और उपयोगी ढंग से बनाई जा सकती है, तो उसके रास्ते में आने वाली समस्याओं का समाधान खोजने के लिए सरकार और स्थानीय समुदायों को मिलकर काम करना चाहिए। देशहित में कभी-कभी कठिन फैसले लेने पड़ते हैं, लेकिन उन फैसलों का बोझ किसी एक समुदाय पर नहीं डाला जाना चाहिए। संभावित स्थानीय नुकसान को कम करना और प्रभावित लोगों को न्याय देना भी उतना ही जरूरी है जितना देश की सामरिक क्षमता बढ़ाना। बहरहाल, चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर जल प्रबंधन और दूरदर्शी रणनीति की जरूरत है। सियांग परियोजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकती है। इसलिए स्थानीय लोगों को विरोध और समर्थन के बीच किसी एक पक्ष को आंख मूंदकर चुनने के बजाय तथ्यों को समझना चाहिए, अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए और साथ ही देश की सुरक्षा से जुड़े व्यापक सवालों पर भी विचार करना चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित जल संसाधन, मजबूत सीमाएं और विकास के अवसर देना आज की जिम्मेदारी है। राष्ट्रहित और स्थानीय हितों को आमने-सामने खड़ा करने के बजाय, दोनों की रक्षा करने वाला रास्ता निकालना ही सरकार की असली परीक्षा होगी।

-नीरज कुमार दुबे

मंदिर आंदोलन वाले फिर लड़ना चाहते हैं!

उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव और उसके दो साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने विपक्ष की चुनौतियों और 15 साल की सत्ता विरोधी लहर के साथ साथ एक चुनौती पार्टी के अंदर से भी मिलेगी। पार्टी के अंदर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे पुराने नेताओं को संख्या बढ़ती जा रही है। अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन में शामिल रही हे नेता एक बार फिर चुनाव मैदान में उतरना चाहते हैं। ऐसे नेता, जिनको पिछले चुनाव में टिकट नहीं मिली थी या पिछले कई चुनावों से टिकट नहीं मिल रही थी वे अगला चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। कई नेताओं ने अभी से अपनी दावेदारी की घोषणा कर दी है। हालांकि पार्टी के नेता अभी इसे ज्यादा गंभीर नहीं मान रहे हैं लेकिन जानकार नेताओं का कहना है कि यह सिरदर्द बनने वाला है। इस मामले में ताजा नाम विनय कटियार का है। उन्होंने पार्टी से कहा है कि वे चुनाव लड़ेंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि वे अयोध्या से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और अगर पार्टी उनको विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ाती है तो फिर वे यह गारंटी चाहते हैं कि 2029



के लोकसभा चुनाव में उनको फैजाबाद से मैदान में उतारा जाए। गौरतलब है कि फैजाबाद सीट में ही अयोध्या का क्षेत्र आता है और पिछले चुनाव में भाजपा इस सीट पर हार गई थी। समाजवादी पार्टी ने इस सामान्य सीट से दलित समाज के अवशेष प्रसाद को उतारा था और उन्होंने भाजपा के लल्लू सिंह को हरा दिया था। गौरतलब है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर पर चढ़ावा चोरी के बाद से

इसका कारण यह है कि वे आंदोलन में शामिल रहे हैं और उन्होंने चढ़ावा चोरी पर खुल कर बड़े लोगों के खिलाफ बयान दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनको फोन किया था। बहरहाल, मंदिर आंदोलन में शामिल रहें मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भी इस बात चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। वे पिछले दो चुनाव से नहीं लड़ रही हैं। 2014 में वे

उत्तर प्रदेश की झांसी सीट से सांसद बनीं थीं और नरेंद्र मोदी की पहली सरकार में जल संसाधन मंत्री बनीं थीं। हालांकि उसके बाद सेहत खराब होने के हवाले वे चुनाव से दूर रहीं। इस बार उन्होंने ऐलान किया है कि वे लोकसभा का चुनाव लड़ेंगी। हालांकि यह नहीं बताया है कि वे मध्य प्रदेश की किसी सीट से लड़ेंगी या उत्तर प्रदेश से। मंदिर आंदोलन से अलग अयोध्या, फैजाबाद, बस्ती, गोंडा के इलाके में असर रखने वाले बाहुबली नेता ब्रजभूषण शरण सिंह भी अगली बार चुनाव लड़ना चाहते हैं। पिछली बार हरियाणा की महिला पहलवानों के चौथे शोषण विवाद की वजह से वे चुनाव नहीं लड़े थे। पार्टी ने उनके बेटे करण भूषण सिंह को उनकी जगह टिकट दिया था। वे जीत भी गए थे। अब ब्रजभूषण शरण सिंह निचली अदालत से बरी हो गए हैं। उन्होंने दावा किया है कि कम से कम एक बार और उनको सांसद बनना है। इस बार राज्यसभा चुनाव में तो यह चर्चा हो गई थी कि वे सपा के तीसरे उम्मीदवार हो सकते हैं। हालांकि वे नहीं लड़ें। अगले लोकसभा चुनाव में वे पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं।

जीवन में नई चेतना बनाने वाला कार्तिक महिना!



है। यह नाम श्रीकृष्ण की बाललीला की याद दिलाता है। माता यशोदा ने नटखट कृष्ण को रस्सी से पेट के पास बांधकर ऊखल से जोड़ दिया था। रस्सी को ‘दाम’ और पेट को ‘उदर’ कहते हैं। इसी से दामोदर नाम बना। इस कथा में मां का स्नेह है और भक्ति का गहरा संदेश भी। मान्यता है कि पूरे ब्रह्मांड का स्वामी भी अपने भक्त के प्रेम से बंध जाता है। इस तरह प्रेम भगवान और मनुष्य के बीच सबसे निकट का संबंध बनाता है। सनातन परंपरा के अनेक नियमों में मौसम और दिनचर्या का ध्यान रखा गया है। कार्तिक स्नान की परंपरा आश्विन पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक चलती है। इस समय शरद ऋतु ढलने और हेमंत आने की आहट मिलने लगती है। ज्योतिष में इस दौरान सूर्य के तुला राशि में रहने का उत्ल्लेख मिलता है। मौसम में धूप की तीव्रता घटती और सुबह की ठंडक बढ़ती है। वर्षा बीतने के बाद साफ आकाश में चांदनी भी अधिक सुंदर दिखाई देती है। धार्मिक परंपरा इस चांदनी को विशेष गुणों से जोड़ती है। आवर्तव में मौसम बदलते समय वात, पित्त और कफ के संतुलन पर ध्यान देने की बात कही गई है। इसी संदर्भ में कार्तिक के उपवास, संयम और ब्रह्मचर्य के नियम समझे जा सकते हैं। इनका उद्देश्य भोजन, व्यवहार और जीवनचर्या में अनुशासन लाना तथा बदलते मौसम के अनुसार स्वयं को ढालना रहा है। कार्तिक के व्रत में जमीन पर सोने का नियम भी मिलता है। इसे तल्यव्याज यानी आरामदायक बिस्तर का त्याग कहा गया है। इसका सीधा संदेश सादगी अपनाना और सुख की आदतों पर थोड़ा नियंत्रण रखना है। योग की परंपरा में शरीर की स्थिरता, रौद्र की स्थिति और ध्यान का संबंध भी बताया जाता है। मूलाधार से सहस्रार तक ऊर्जा के प्रवाह की बात इसी आध्यात्मिक समझ का हिस्सा है। जमीन पर सोने को

रक्तचाप या अवसाद का निश्चित उपचार बताना उचित नहीं होगा। इस नियम का मुख्य भाव शरीर को कष्ट देना नहीं, जीवन में संयम बढ़ाना है। प्राचीन ग्रंथों में कार्तिक की साधना के पांच प्रमुख आधार बताए गए हैं। स्नान, दीपदान, तुलसी पूजा, संयमित भोजन और भगवान का स्मरण मनुष्य को नियमित जीवन की ओर ले जाते हैं। सूर्योदय से पहले, जब आकाश में तारे दिखाई देते हों, नदी, तालाब या कुएं के जल से स्नान की परंपरा है। स्नान के अलग रूप भी बताए गए हैं। वारुण स्नान में गंगा, यमुना, गोदावरी जैसी नदियों अथवा प्राकृतिक जलाशयों में स्नान को विशेष पुण्यदायक माना जाता है। ब्रह्म स्नान में सुबह मंत्रों का उच्चारण करते हुए घर पर स्नान करने की परंपरा शामिल है। ब्रह्ममहूर्त में जागना पूजा, ध्यान और शांत मन से दिन शुरू करने का समय माना गया है। इसका समय सूर्योदय के अनुसार बदलता है। सुबह की शांति मन को एकाग्र करने में सहायक हो सकती है। हालांकि इस समय ओंजन सबसे अधिक होने या उंडे पानी से स्नान करने पर रोगों से असाधारण सुखा मिलने के दावों को प्रमाणित तथ्य नहीं माना जाना चाहिए। कार्तिक का सबसे सुंदर दृश्य दीपदान है। मंदिरों में, तालाब और नदी के किनारे तथा घरों में दीप जलाए जाते हैं। तुलसी की सामने धी या लिल के तेल का दीप रखने का विशेष महत्व है। पद्य पुराण 6/242/29 में दीपदान की महिमा बताते हुए कहा गया है कि भगवान हर के सामने छोटा सा दीप जलाने से भी अनेक जन्मों के पाप ऐसे मिटते हैं जैसे आग की चिंगारी सूखी घास को जला देती है। यह धार्मिक वर्णन प्रकाश और भक्ति की महत्ता समझाता है। बांस के ऊपरी सिरे पर पात्र में दीप रखकर लटकाने की परंपरा भी है। इसे आकाशदीप कहते हैं। लोकविश्वास में यह पितरों के लिए शुभ मार्ग का प्रकाश है। साथ ही अंधकार के बीच आशा, स्मरण और उजाले की जीत का प्रतीक भी है। तुलसी की वृंदा का रूप और भगवान विष्णु की प्रिय माना गया है। कार्तिक में रोज तुलसी की परिक्रमा करने, जल चढ़ाने और दीप जलाने का नियम मिलता है। शुक्ल पक्ष की देवोत्थान एकादशी के आसपास तुलसी विवाह के आयोजन होते हैं। अलग परंपराओं में इसकी तिथि भिन्न हो सकती है। तुलसी का भारतीय घरों और पारंपरिक उपचारों में पुराना स्थान है। उसकी सुगंध, हरियाली और देखभाल घर के वातावरण को सुखद बनाती है। हालांकि लगातार ऑक्सीजन देने या केवल उसकी गंध से संक्रमण रोकने जैसे दावों को सावधानी से समझना चाहिए। धार्मिक दृष्टि से तुलसी पूजा का महत्व समर्पण, भक्ति और प्रकृति से अपनापन बढ़ाने में है। पौराणिक नियमों के अनुसार कार्तिक का व्रत रखने

वाले व्यक्ति के लिए दिन में एक बार सात्विक भोजन करने की परंपरा है। इसे एकभुक्त कहा जाता है। पद्य पुराण में कुछ चीजों से बचने की बात भी मिलती है। इनमें मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और दूसरों के घर का भोजन छोड़ना शामिल है। कांसे के बर्तन में खाने, शरीर पर तेल लगाने और उड़द, चना, मसूर जैसी दालों के संबंध में भी व्रत के नियम बताए गए हैं। इन्होंने धार्मिक अनुशासन के संदर्भ में समझना चाहिए। सभी लोगों की सेहत और भोजन की जरूरतें एक जैसी नहीं होती। हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन करने का संदेश पेट पर अनावश्यक बोझ घटाने और खाने में संयम रखने से जुड़ा है। इस महिने गीता, श्रीमद्भगवत महापुराण और सत्यव्रत मुनि से जुड़े दामोदराष्टकम् के पाठ की भी परंपरा है। श्रद्धा से पाठ करना और उसका अर्थ समझना मन को शांत तथा ध्यान को स्थिर करने का माध्यम बन सकता है। श्लोकों के हर पाठ से मस्तक में निश्चित तरंगें उत्पन्न होने की बात को स्थापित वैज्ञानिक निष्कर्ष की तरह नहीं रखना चाहिए। कार्तिक व्यक्तिगत साधना के साथ मिलकर उत्सव मनाने और सामाजिक संबंध मजबूत करने का महिना भी है। कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तक अनेक पर्व आते हैं। धनत्रयोदशी यानी धनतेरस भगवान धन्वंतरी के प्रकट होने का दिन माना जाता है। इसी अवसर पर यमराज के लिए दीप जलाकर अकाल मृत्यु से बचाव की प्रार्थना की जाती है। इन मान्यताओं में धन के साथ स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना दिखाई देती है। कार्तिक अमावस्या को दीपों से घर और गलियारें रोशन होती हैं। श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली मनाई जाती है। इसका संदेश मन के अज्ञान को दूर कर ज्ञान और अच्छे विचारों का प्रकाश फैलाना है। इसके बाद गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति आपरा व्यक्त करने का अवसर बनती है। श्रीकृष्ण के गोवर्धन उठाने और इंद्र का अभिमान दूर करने की कथा मनुष्य को धरती, पशुओं और वनस्पतियों का महत्व समझाती है। हमारा जीवन इन्हीं पर निर्भर है। देवोत्थान एकादशी के दिन मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी से श्रीरसागर में सो रहे भगवान विष्णु चार महिने बाद जागते हैं। इसके साथ विवाह और दूसरे मांगलिक काम शुरू होते हैं। इसे मनुष्य के भीतर नई जागृति का प्रतीक भी समझा जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को शिव द्वारा त्रिपुरासुर के वध की स्मृति में त्रिपुरी पूर्णिमा कहा जाता है। कथा है कि इस अवसर पर देवताओं ने काशी के घाटों पर दीप जलाए थे। देव दीपावली का यह उत्सव बुराई के अंत और शुभ शक्तियों के सम्मान का पर्व माना जाता है।

-अशोक ‘प्रवृद्ध’



चीन के सीक्रेट स्पेसप्लेन पर नया खुलासा, अमेरिका ने जारी की सैटेलाइट तस्वीर, पेलोड दरवाजे दे सकते हैं मिशन का सुराग

एजेंसी बीजिंग

अमेरिकी सैन्य खुफिया एजेंसी ने चीन के सीक्रेट स्पेस प्लेन की तस्वीर जारी की है। यह तस्वीर वैटोर के वर्ल्डव्यू 3 सैटेलाइट से 90 किलोमीटर की दूरी से ली गई है। पर्यवेक्षकों ने पहले भी आर्बिंट में शेनलॉग की तस्वीरें ली हैं लेकिन वैटोर की यह नई तस्वीर इस अंतरिक्ष यान के बारे में ज्यादा और स्पष्ट जानकारी देती है। इसमें इसे कक्षा (आर्बिंट) में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ा हुआ देखा जा सकता है। यह अमेरिका-चीन की अंतरिक्ष में तेज होती प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। इस नई तस्वीर का रिजोल्यूशन 4.5 सेंटीमीटर प्रति पिक्सेल है। तस्वीर को डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (DIA) की नई रिपोर्ट में शामिल किया गया है, जो अंतरिक्ष में विरोधी ताकतों से जुड़े खतरों का आकलन करती है। तस्वीर में रोबोटिक शेनलॉग स्पेस प्लेन एक उपग्रह (सैटेलाइट) से जुड़ा दिखा है, जिसके सोलर पैनल खुले हैं। इस उपग्रह की पहचान के बारे में पता नहीं चल पाया है। तस्वीर में शेनलॉग के पेलोड-बे के दरवाजे खुले हैं। पेलोड दरवाजे इस बात का सुराग दे सकते हैं कि शेनलॉग मिशन में क्या कर रहा है। जिसे फरवरी 2026 में लॉन्च किया गया था। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी का कहना है कि शेनलॉग उन तकनीकों का परीक्षण करता है, जो भविष्य में अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सुविधाजनक और किरायाती राउंड ट्रंप के तर्कों का रास्ता तैयार करेंगी। पर्यवेक्षकों ने शेनलॉग को कक्षा में कुछ चीजें छोड़ते हुए देखा है। जून में अमेरिकी अंतरिक्ष खुफिया कंपनी लियोलेक्स ने बताया था कि उसने इस स्पेस प्लेन के पास एक नई वस्तु का पता लगाया है। शेनलॉग के तीसरे मिशन के दौरान भी ऐसा हुआ था, जो 2024 में पूरा हुआ। 2023 में अपने दूसरे मिशन के दौरान भी इस स्पेस प्लेन ने एक वस्तु छोड़ी थी।

पाकिस्तानी संसद में भिड़े मौलाना डीजल और रत्वाजा आसिफ, ईरान जाने के सवाल पर बौखला गए रक्षा मंत्री

पाकिस्तान की संसद में गुरुवार को विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तूटू-मैमें देखने को मिली है। इसकी शुरुआत जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के सांसद फजलुर रहमान के कमेंट से हुई। रहमान ने नेशनल असेंबली (सांसद) में बोलते हुए बैठक के लिए आमी चौफ असीम मुनीर के ईरान जाने पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पर तंज कसा। उन्होंने सवाल किया कि इस बैठक में रक्षा मंत्री नहीं गए, जो शर्म की बात है। इस पर जवाब देते हुए आसिफ ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता कराने के लिए असीम मुनीर तेहरान गए। उनकी मौजूदगी जरूरी नहीं थी क्योंकि वहां पाकिस्तान की सुरक्षा पर बात नहीं हो रही थी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली में अपने संबोधन के दौरान फजल ने तेहरान में हुई उस बैठक का जिक्र किया, जिसमें मुनीर और गुह मंत्री मोहसिन नकवी के साथ-साथ ईरान, सऊदी अरब और तुर्की के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। फजल ने कहा कि ईरान में डिफेंस समझौता हो रहा है और रक्षा मंत्री यहां बैठे हैं तो ये शर्म की बात है। इस पर आसिफ ने पलटवार किया कि मौलाना को सत्ता का हिस्सा मिल जाता तो वो ये बातें नहीं करते। मुल्क में इस वक्त कोई संविधान, लोकतंत्र और कानून नहीं है। मैं

`पाकिस्तान के साथ रक्षा संबंधों की जांच जरूरी', मुइज्ज़ू के समझौतों पर मालदीव में सवाल, पूर्व मंत्री मारिया दीदी ने घेरा

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इस महीने पाकिस्तान का तीन दिन (20 से 22 अक्टूबर) का दौरा किया है। इस दौरान मुइज्जू की पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ से मुलाकात हुई और दोनों देशों के बीच 20 समझौतों (MoU) पर दस्तखत हुए। इसमें व्यापार और पर्यटन के अलावा साइबर सुरक्षा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल है। इसने मालदीव की राजनीति में हलचल मचा दी है। मालदीव के विपक्षी दल पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौतों को शक की नजर से देख रहे हैं। मालदीव की पूर्व रक्षा मंत्री मारिया दीदी ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ रक्षा और साइबर सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के व्यापक प्रभावों पर मालदीव को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को देखते हुए रक्षा, समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से जुड़े समझौतों की बारीकी से समीक्षा और जांच करने की मांग की है। सवाल यह नहीं है कि मालदीव को पाकिस्तान के साथ संबंध रखने चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या सरकार ने इन नए



तस्वीरों में एक छोटा, शटल जैसा अंतरिक्ष यान दिखाई देता है, जिसमें छोटे पंख हैं। इसमें दो बटिकल टेल और बीच में खुला 'पेलोड बे' (सामान रखने की जगह) है। चीन के इस यान के पिछले हिस्से में दोनों तरफ सोलर पैनल लगे हैं। इस यान का डिजाइन काफी हद तक अमेरिकी 'X-37B' जैसा ही है। बीजिंग के यानों में हथियार लगे होने या आक्रामक मिशन का सबूत नहीं मिला है। अमेरिका भी एक गुप्त रोबोटिक स्पेस प्लेन बोइंग के 'X-37B' का संचालन करता है। अमेरिका ने इसकी क्षमताओं या मिशनों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी है। फरवरी 2025 में अमेरिकी स्पेस फोर्स ने अंतरिक्ष में मौजूद X-37B की पहली तस्वीर जारी की थी। ये दिखाता है कि चीन और अमेरिका के बीच स्पेस रेस चल रही है, जिसमें दोनों देश एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। चीन ने 2020 से अब तक चार ज्ञात आर्बिटल मिशन पूरे किए हैं। इनमें प्रायोगिक (एक्सपेरिमेंटल) फिर उपयोग योग्य (रीयूजेबल) अंतरिक्ष यान शामिल हैं। चीन का सबसे नया मिशन 7 फरवरी, 2026 को शुरू हुआ। यह यान अभी भी कक्षा (आर्बिट) में मौजूद है। चीन के पास दो मुख्य स्पेसप्लेन मॉडल- शेनलॉग और तेंग्युन हैं।

एजेंसी इस्लामाबाद

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिलीपींस में आसियान डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग (एडीएमएम-प्लस) में आतंकवाद के मुद्दे को मजबूती से उठाया है। उन्होंने भारत की आतंक के खिलाफ लड़ाई के उदाहरण के तौर पर ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने दौरान अमेरिकी वॉर सेक्रेटरी पीट हेगसेथ से मुलाकात में पाकिस्तान को F-16 जेट्स के लिए पैकेज देने पर भी नाराजगी जताई। यह पूरा घटनाक्रम पाकिस्तानी विशेषज्ञों को नगावार गुजरा है। पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा का कहना है कि राजनाथ सिंह की बातें सच्चाई से परे हैं। कमर चीमा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में राजनाथ सिंह के भाषण और उनकी पीट हेगसेथ से मुलाकात में पाकिस्तान के जिक्र पर बात की है। उन्होंने राजनाथ सिंह की तमाम बातों को खारिज करने या फिर झूठी करार देने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह के भाषण में पाकिस्तान से जुड़ी बातें अपने घरेलू समर्थकों के लिए हैं। कमर चीमा ने कहा, 'राजनाथ सिंह पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर धमका रहे हैं। वह कह रहे हैं कि हमने अमेरिका से पाकिस्तान को फाइटर जेट के लिए सपोर्ट पैकेज देने पर सवाल किए। ये बातें ठीक नहीं लगती हैं क्योंकि अमेरिका-भारत संबंध हमारे सामने हैं तो टेरेरिज्म पर भी भारत के पास बताने को ज्यादा कुछ नहीं है।' चीमा कहते हैं, 'राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर बात लेकिन भारतीय फौज ने दुनिया में कभी किसी सेना के साथ मिलकर कोई एंटीटेरेरिज्म ऑपरेशन नहीं चलाया है। फिर कैसे राजनाथ सिंह कैसे आतंकवाद से लड़ाई की बात कर रहा हैं, ये हमारी समझ से परे है। भारत को पहले इस मोर्चे पर



अपनी कोई उपलब्धि बतानी चाहिए।' पाकिस्तान को भारत के नेता जरूर निशाने पर लेते हैं। राजनाथ सिंह ने भी ये किया है। हालांकि वो अमेरिका से पाकिस्तान को लेकर जो बातें होने का जिक्र कर रहे हैं, उस पर कुछ सवाल हैं। कमर चीमा F-16 पर अमेरिका हमारे साथ: चीमा कमर चीमा ने कहा कि राजनाथ सिंह ने F-16 पर कहा है कि दिल्ली पाकिस्तान को इस जेट को मिलने पर अमेरिका से नाखुश हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने ये बात हेगसेथ से कही है। ऐसा होता तो इसका जिक्र साझा बयान में किया जाता है। मुझे तो बीते दो-ढाई साल में याद नहीं आता कि भारत की ओर से पाकिस्तान को F-16 के मॉडनाइजेशन के पैकेज पर अमेरिका से कोई सवाल पुछा गया हो। कमर चीमा ने भारत को घेरने की कोशिश करते हुए तंज किया कि भारत की बात अगर अमेरिका इतनी मान रहा है कि वह पाकिस्तान की शिकायत कर रहे हैं तो फिर दोनों देशों की ट्रेड डील क्यों नहीं हो पा रही है। मैं ये साफतौर पर कहूंगा कि पाकिस्तान को अमेरिका से तकनीक दे रहा है। मुझे तो नहीं लगता कि अमेरिकन इस तरह के मुद्दे पर भारत की मान रहे हैं।

इजरायल में `जानी दुश्मन' बनेंगे दोस्त ? नेतन्याहू और आइजेनकोट 2-2 साल के लिए बन सकते हैं प्रधानमंत्री, दावा



एजेंसी टेल अवीव

इजरायल के चुनाव में किसी पार्टी या गठबंधन को बहुमत ना मिलने के बाद जोड़तोड़ की कोशिशें शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी गठबंधन के कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इन विकल्पों में चुनाव में अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी गादी आइजेनकोट के साथ सत्ता साझा करने (2-2 साल पीएम बनने) पर विचार भी शामिल है। ऐसा समझौता होता है तो यह काफी दिलचस्प होगा क्योंकि चुनाव में दोनों नेता एक-दूसरे पर काफी हमलावर थे। इजरायल नेशनल न्यूज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लिकुड पार्टी किसी को बहुमत ना मिलने से बने गतिरोध को तोड़ने के लिए सभी संभावनाओं पर विचार कर रही है ताकि गठबंधन को लेकर लंबी बातचीत या नए खर्चीले चुनाव से बचा जा सके। इसमें रोटेशन (बारी-बारी से पीएम पद संभालने) का समझौता शामिल है। इसके तहत नेतन्याहू पहले दो साल तक प्रधानमंत्री रहेंगे और फिर 2 साल के लिए आइसेनकोट को पद सौंप देंगे। इजरायल में 27 अक्टूबर को चुनाव हुए हैं। चुनाव के लिए वोटों की गिनती तकरीबन पूरी हो गई है। बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं। गादी आइजेनकोट की याशर पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं। इजरायल की 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 61 सीटों का है। चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत ना मिलने से

राजनीतिक गतिरोध की स्थिति पैदा हुई है। अरब पार्टियों ने 19 सीटें जीतकर शानदार नतीजे हासिल किए हैं और 'किंगमेकर' की भूमिका में हैं। नेतन्याहू के सामने विकल्प बेंजामिन नेतन्याहू के पास गादी के साथ समझौते के अलावा भी कुछ विकल्प हैं। इसमें अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स (कट्टर धार्मिक) पार्टियों को शामिल किए बिना व्यापक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना या विपक्षी सांसदों को पाला बदलकर लिकुड के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन हासिल करना शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी विकल्पों पर सिफ चर्चा हो रही है। आइसेनकोट या विपक्ष की ओर से अभी ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है। नेतन्याहू और गादी के बीच अगर दो-दो साल तक पीएम पद संभालने पर समझौता होता है तो इससे छोटे दलों के लिए बहुत संभावना नहीं रह जाएगी। लिकुड के भीतर अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टियों के बिना सरकार बनाने पर जोर है। यह पार्टियां पारंपरिक रूप से धार्मिक शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग करती हैं। वहीं राजनीतिक समूहों का कहना है कि राष्ट्रीय सेवा का बोझ सभी के बीच समान रूप से बांटा जाना चाहिए। आइजेनकोट की याशर पार्टी एक ऐसी सरकार के पक्षधर हैं, जो जायोन (यहूदी) राजनीतिक दृष्टिकोण को राष्ट्रीय सेवा का समान जिम्मेदारी के साथ जोड़ती है। चुनाव प्रचार के दौरान आइसेनकोट ने नेतन्याहू को प्रधानमंत्री नहीं बनाने की बात बार-बार कही। हालांकि बहुमत हासिल करने के लिए अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों पर निर्भर रहने से बचने के लिए वह नए विकल्पों पर सोच सकते हैं।



सरकार, विपक्ष और सभी राजनीतिक दलों को कहता हू कि मेज पर बैठें और लोकतंत्र का नया चार्टर तैयार करें। ईरान की बैठक में मोहसिन नकवी की मौजूदगी और आसिफ की गैरमौजूदगी पर विपक्षी नेता फजलुर रहमान ने चुटकी ली। उन्होंने कहा, 'क्या यही आपका सम्मान और कद है, अरे भाई कोई शर्म होती है, कोई हया होती है।' मौलाना डीजल कहे जाने वाले फजलुर रहमान ने इस दौरान आमी और सरकार को जमकर निशाने पर लिया और साफ कहा कि देश में कोई लोकतंत्र नहीं बचा है। ख्वाजा आसिफ ने नेशनल असेंबली में मौलाना रहमान की बात का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान में उनकी मौजूदगी जरूरी नहीं थी क्योंकि वहां हुई बातचीत ना तो किसी रक्षा समझौते के बारे में थी और न ही



समझौतों के देश के राष्ट्रीय हितों पर पड़ने वाले दीर्घकालिक प्रभावों का सही आकलन किया है। इंडिया टुडे के मुताबिक मारिया दीदी ने कहा, 'आकार में छोटा होने के बावजूद मालदीव हिंद महासागर के अहम समुद्री मार्गों पर अहम रणनीतिक स्थिति रखता है। इसका विपत्तिल समुद्री क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पर भारी निर्भरता इसे भूराजनीतिक हितों के केंद्र में लाती है। इतने छोटे देश की विदेश नीति ऐसी होनी चाहिए, जो उसकी संप्रभुता और अर्थव्यवस्था की रक्षा करे। साथ ही यह सुनिश्चित

किया जाए कि बड़ी ताकतों के बीच की प्रतिद्वंद्विता मालदीव के लिए कोई बोझ ना बने।' दादी ने मालदीव सरकार से रक्षा और समुद्री सुरक्षा समझौतों के दायरे को सार्वजनिक करने की मांग की। इसमें इन समझौतों के वित्तीय प्रभाव, परिचालन संबंधी प्रतिबद्धताएं और समीक्षा या इन्हें समाप्त करने से जुड़े प्रावधानों की जानकारी शामिल होनी चाहिए। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या इन समझौतों में खुफिया जानकारी या संवेदनशील समुद्री जानकारी तक पहुंच शामिल है। ऐसे कौन से सुरक्षा उपाय हैं, जो मालदीव को उन दायित्वों से बचावेंगे, जो किसी क्षेत्रीय संकेत के समय उसके विकल्पों को सीमित कर सकते हैं। रक्षा साझेदारियों को भू-राजनीति से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। सैन्य प्रशिक्षण, खुफिया जानकारी साझा करना, उपकरणों की खरीद और तकनीकी सहायता से दीर्घकालिक निर्भरता पैदा हो सकती है। पूर्व मिनिस्टर मारिया कहा कि उनकी चिंताएं पाकिस्तान के साथ सहयोग के खिलाफ कोई तर्क नहीं हैं, बल्कि ऐसे सवाल हैं जिन पर जिम्मेदार सरकारों को किसी भी ऐसे सुरक्षा समझौते में शामिल होने से पहले विचार करना चाहिए क्योंकि जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

एजेंसी लंदन

दुनिया के कई देशों ने बीते कुछ दिनों में अपने नागरिकों को अलर्ट रहने और जरूरी सामान जमा करने के लिए कहा है। इसने ब्रिटेन से अमेरिका तक लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डाला है। ब्रिटिश शहरों में खाने-पीने की चीजों वाले स्टोर पर लंबी लाइनें देखी जा रही हैं। इस तरह की चेतावनियों के पीछे बहुत स्पष्ट कारण नहीं बताए गए हैं। ब्रिटेन में एआई के साइबर अटैक को लेकर चिंता है तो जापान में भूकंप के लिए तैयारी हो रही है। वहीं अमेरिका किसी बड़े संघर्ष की स्थिति के लिए तैयारी की बात कर रहा है। इसके अलावा नॉर्वे और जर्मनी ने भी वॉरिंग जारी की है। यानी कुल पांच देशों में इमरजेंसी सिचुएशन के लिए तैयारी की जा रही है। जापान और ब्रिटेन अपने नागरिकों से कहा है कि वे आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयार रहें। अपने घरों में 3-4 दिन का जरूरी सामान जमा करके रखें। इसमें भोजन, पानी, दवाइयां, टॉयलेट पेपर, टॉच और नकद पैसे शामिल हैं। जापान ने अपने नागरिकों से 3 से 5 दिनों के लिए भोजन, पानी और दूसरी जरूरी

चीजें जमा करने के लिए कहा है। यह सलाह ऐसे समय में दी गई है, जब दोनों देशों की सरकारें लोगों को अचानक आने वाली आपातकालीन स्थितियों- जैसे प्राकृतिक आपदाओं, साइबर हमलों और बड़े स्तर की रकावटों के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर रही हैं।

जापान: जापान में 2 नवंबर को नई आपदा प्रबंधन एजेंसी शुरू हो रही है। जापान के आपदा प्रबंधन मंत्री गोशी होसोनो ने कहा कि 2 नवंबर को देश को आपदा रोकथाम एजेंसी की स्थापना होगी तो सरकार विभिन्न मंत्रालयों, प्रांतों और नागरिकों से तत्काल अनुरोध करेगी। मैं कहूंगा कि एक हफ्ते के लिए, आपके पास भोजन, शौचालय, पानी और दूसरी जरूरी चीजों का इंतजाम पहले से होना चाहिए। भले आपको बाहर से कोई मदद ना मिल पाए। जापान राष्ट्रीय स्तर की आपदाओं के लिए तैयारी कर रहा है। इनमें नानकाई ट्रफ में आने वाला भूकंप, राजपैक के ठीक नीचे आने वाला एक बड़ा भूकंप, कुरिल और जापान ट्रेंच के पास आने वाले बड़े भूकंप, और माउंट फूजी में ज्वालामुखी का फटना जैसी घटनाएं शामिल हैं। होसोनो ने कहा कि आपदा निवारण एजेंसी

राष्ट्रीय स्तर की ऐसी आपदाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी क्योंकि इसके लिए एक अलग स्तर की तैयारी जरूरी है। UK: ब्रिटेन ने बी रेडी अभियान चलाया है। इसके तहत में परिवारों से कहा गया है कि वे 3 दिनों के लिए पानी, डिब्बाबंद खाना, कुछ नकदी, टॉच और एक रेडियो अपने पास रखें। PHP साफ्टवेयर में आई एक बड़ी खराबी के कारण कुछ सेवाएं बाधित हो गई और लाखों बार हैकिंग की कोशिशें हुई हैं। इसके बाद UK ने यह संदेश फिर दोहराया है। सरकार ने जंगल की आग, खराब मौसम, साइबर हमलों, दुश्मन देशों और संगठित अपराधों से जुड़े खतरों का भी जिक्र किया है। ब्रिटेन की ओर यह सलाह यूरोपीय आयोग की सलाह जैसी है। इसका मकसद यह है कि अगर आपातकालीन सेवाएं या सरकारी मदद मिलनी बंद हो जाए तो परिवारों को कम से कम कुछ दिनों तक खुद अपना इंतजाम करने में सक्षम होना चाहिए। ब्रिटेन की सरकार ने अपने नागरिकों से कहा है कि वे अपने घरों में डिब्बाबंद खाना, पानी, टॉच, रेडियो जैसी चीजें जमा करने को कहा है। ताकि सप्लाई रूके तो इससे निपटा जा सके।





अमेरिकी रिवलाड़ी की गलती, रूसी स्टार का नुकसान, भारत को हुआ फायदा, नीलम के सिल्वर जीतने की कहानी

एर्जेसी अस्ताना

कजाकिस्तान में भारत की नीलम सिरोही और काजल ढोचक ने वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। हालांकि,नीलम के पदक जीतने की कहानी इतनी भी आसान नहीं है। महिलाओं के 50 किलोग्राम भारवर्ग में अमेरिकी पहलवान मॉर्गिन टर्नर की गलती के कारण वह बाहर हो गई और रूसी स्टार एलिजावेता स्मिरनोवा को भी बाहर कर दिया। ऐसे में नीलम को वॉकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहुंच गई। इसके बाद उन्होंने जीत हासिल कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। 27 अक्टूबर को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में अमेरिकी मॉर्गिन टर्नर और रूस की एलिजावेता स्मिरनोवा आमने-सामने थीं। मुकाबले के दौरान टर्नर ने दो बार स्मिरनोवा की आंखों में उंगली मार दी। रेफरी ने इसे क्रूरता मानते हुए टर्नर को डिस्कवालिफाई कर दिया। स्मिरनोवा को जीत तो मिल गई, लेकिन मेडिकल



जांच में उनके कॉनिया में चोट पाई गई। दोनों आंखों के रेटिना पर खरोंच और झिल्ली फटने की वजह से डॉक्टरों ने उन्हें क्वार्टरफाइनल खेलने के अनुमति नहीं दी। स्मिरनोवा ने कहा कि वे एक आंख पर पट्टी

बांधकर भी खेल सकती थीं, लेकिन आधिकारिक डॉक्टर ने जोखिम न लेते हुए उन्हें बाहर कर दिया। इस घटना का फायदा भारत की नीलम सिरोही को हुआ। स्मिरनोवा के बाहर होने से नीलम को क्वार्टरफाइनल में वॉकओवर मिल गया। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की जेनेप बयानोवा को 7-3 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जापान की दिग्गज युई सुसाकी के खिलाफ नीलम को हार झेलनी पड़ी और उन्हें सिल्वर मेडल मिला। नीलम अंशु मलिक के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गई। इसी टूर्नामेंट में काजल ढोचक ने भी 76 किग्रा में सिल्वर जीता। पहली बार एक ही संस्करण में दो भारतीय महिलाओं ने फाइनल खेला।

एक पारी में 8 विकेट, तनुष ने मुंबई को दिलाई जीत, भारत को मिल गया अश्विन का विकल्प

एर्जेसी मुंबई

भाषा रणजी ट्रॉफी 2026 में हरियाणा के खिलाफ मैच में तनुष कोल्यान ने अपने करियर का बेस्ट स्पेल फेंका। उन्होंने 81 रन देकर 8 विकेट लिए और मुंबई को 10 विकेट से जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। इस बड़ी जीत के दम पर मुंबई ने बोनास अंक हासिल किया है। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मैच में हरियाणा को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर बोनास अंक हासिल किया। मुंबई ने लगातार तीसरे मैच में बोनास अंक हासिल किया। उसके सामने केवल 97 रन का लक्ष्य था। सलामी बल्लेबाज अंकृष रघुवंशी (नाबाद 67) और दिव्यांग सक्सेना (नाबाद 30) ने केवल 10.4 ओवर मुंबई को लक्ष्य तक पहुंचा दिया और उसे सात अंक दिलाए। इससे पहले मुंबई ने चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के खिलाफ भी बोनास अंक के साथ जीत हासिल की थी। मुंबई ने अपनी पहली पारी में 430 रन बनाए थे, जिसके जवाब में हरियाणा 270 रन ही बना पाया था और उसे फॉलोऑन का सामना करना पड़ा। हरियाणा ने सूर्यवार सुबह अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 73 रन से आगे बढ़ाई और कुल 256 रन बनाए। निशांत सिंधु (44), सामंत जाखर



(40) और अनुज ठकुराल (नाबाद 40) ही धीमी पिच पर कुछ रन बना पाए। इनके अलावा टीम का कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका। तनुष कोल्यान घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह गेंद के साथ कमाल करने के साथ ही बल्ले के साथ भी उपयोगी पारियां खेलने में सक्षम हैं। अश्विन के संन्यास के बाद भारत उनके विकल्प की तलाश कर रहा है। तनुष को आने वाले दिनों में भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। ऐसा करने पर उन्हें भारतीय टीम में बतौर ऑफ स्पिनर शामिल किया जा सकता है। वह 50 फर्स्ट क्लास

मैच में 161 विकेट निकाल चुके हैं। उनका औसत 26 का है। उन्होंने 4 बार 5 विकेट और 1 बार 10 विकेट लेने का कारनामा किया है। अगर वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हैं तो अगले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उन्हें भारतीय टीम में मौका मिल सकता है। सौराष्ट्र के पार्थ भूट ने असम के खिलाफ 18 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 8 विकेट हासिल किए। भूट की घातक गेंदबाजी के दम पर सौराष्ट्र ने यह मैच पारी और 12 रन से जीत लिया। भूट ने इससे पहले तीसरे दिन तक छह विकेट हासिल कर लिए थे और चौथे दिन बाकी बल्लेबाजों को आउट कर अपना आठ विकेट का आंकड़ा पूरा किया। रणजी ट्रॉफी के ग्रुप-सी मुकाबले में बंगाल ने केरल को 287 रन से करारी शिकस्त दी। प्रदीप प्रमाणिक बंगाल की जीत के हीरो रहे, जिन्होंने दूसरी पारी में 51 रन देकर 6 विकेट झटके। बंगाल ने पहली पारी में 350 रन बनाए थे, जिसके जवाब में केरल की टीम 141 रन पर सिमट गई। बंगाल ने दूसरी पारी में 198 रन बनाकर केरल के सामने 408 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केरल की टीम दूसरी पारी में 120 रन ही बना सकी। प्रमाणिक ने केरल के शीर्ष और मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया। मौसमद शमी और शाहबाज अहमद ने भी दो-दो विकेट हासिल किए।

व्यापार

खेत से फैक्ट्री और फिर फ्राइज तक पीएम मोदी कल करेंगे आलू प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन, 14000 करोड़ की देंगे सौगात

एर्जेसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 और 31 अक्टूबर को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बनासकांठा में आलू प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन करेंगे और 14,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर इस प्लांट की झलक साझा करते हुए लिखा- खेत से फैक्ट्री और फिर फ्राइज तक। मेड इन इंडिया, दुनिया के लिए तैयार। मोदी अपने दौरे के दौरान किसानों, पशुपालन, रेलवे, मेट्रो, सड़क और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) की 24वीं किस्त के तहत देशभर के किसानों को 19,000 करोड़ रुपये भी जारी करेंगे। आलू प्रोसेसिंग प्लांट का होगा विस्तार
प्रधानमंत्री बनासकांठा के सनादर में आलू प्रोसेसिंग प्लांट के विस्तार का उद्घाटन करेंगे। इस प्लांट में आलू से फ्राइज जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इससे कृषि उपज के प्रोसेसिंग और किसानों की उपज के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा पालनपुर में अल्ट्रा हाई टेम्परेचर (UHT) उत्पादों के लिए ऑटोमैटेड स्टोरेज एंड रिट्रीबल सिस्टम (ASRS) भी शुरू किया जाएगा। यह एक स्वचालित भंडारण प्रणाली है, जो उत्पादों को



रखने और जरूरत के समय निकालने में मदद करती है। 19,000 करोड़ की PM-KISAN किस्त जारी करीं पीएम मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत किसानों को कुल 19,000 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वह कृषि अवसरचना कोष के तहत पूरी हो चुकी 521 परियोजनाएं भी देश को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं पर करीब 4,950 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इनमें कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड चैन, गोदाम, साइलो, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, गुजरात में 12 स्क्वीक हॉटिंकल्चर क्लस्टर में जमीन पर काम शुरू किया जाएगा। ये क्लस्टर करीब 1.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले होंगे और इनसे 1.3 लाख से ज्यादा किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उत्तर गुजरात के दो क्लस्टर

आलू की खेती पर केंद्रित होंगे। पशुपालन और बायो-CNG को मिलेगा बढ़ावा
प्रधानमंत्री बनासकांठा के फिलड़ी में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (BBBRC) देश को समर्पित करेंगे। यह केंद्र 127 एकड़ में बनाया गया है और कॉम्प्रेज नस्ल के मवेशियों के लिए देश की पहली विशेष सुविधा होगी। इस केंद्र का उद्देश्य मवेशियों की नस्ल सुधारना, बेहतर प्रजनन तकनीकों को बढ़ावा देना और पशुपालन को मजबूत करना है। यहां आधुनिक तकनीकों से नस्ल सुधार की प्रक्रिया 10 से 20 गुना तक तेज करने में मदद मिलने की उम्मीद है। मौदी बनास डेयरी के दो बायो-CNG प्लांट का शिलान्यास भी करेंगे। थराद में बनने वाले प्लांट की क्षमता रोजाना 75 मीट्रिक टन गोबर के प्रसंस्करण की होगी, जबकि राधनपुर प्लांट में रोजाना 100 मीट्रिक टन गोबर का प्रसंस्करण किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री अहमदाबाद मेट्रो के दो विस्तार प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगे। इनमें ये शामिल हैं: फेज-2A के तहत कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट तक 6 किलोमीटर से ज्यादा लंबा रूट होगा, जिसमें पांच स्टेशन होंगे। फेज-2B के तहत गिफ्ट सिटी से शाहपुर तक 3.3 किलोमीटर से ज्यादा लंबा रूट होगा, जिसमें तीन स्टेशन होंगे। इसके अलावा अहमदाबाद-मेहसाणा रोड (स्टेट हाइवे-41) को चार लेन से बढ़ाकर आठ लेन करने की परियोजना की भी शुरुआत होगी।

रिकॉर्डिंग चालू है... कैब में बैठकर कुठ उल्टा-सीधा किया तो हो सकता है एक्शन; उबर ने शुरू की यह सर्विस

एर्जेसी नई दिल्ली



कैब बुकिंग के दौरान ड्राइवर की पहचान, किराये को लेकर विवाद और यात्रियों की सुरक्षा जैसे मुद्दे एक बार फिर चर्चा में हैं। गुडगाँव (गुडग्राम) में किराये के विवाद के बाद एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने उबर ड्राइवर पर बदसलूकी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी बीच उबर ने ड्राइवरों के लिए 'रिकॉर्ड यात्रा ट्रिप' नाम का नया सेफ्टी फीचर शुरू किया है। इसके तहत यात्रा का वीडियो एल्फ्रिटेड यानी सुरक्षित तरीके से रिकॉर्ड किया जा सकेगा। कंपनी ने ड्राइवरों के लिए कमाई के नए



चौथे टी20 में बदली हुई दिखेगी टीम इंडिया, महीनों बाद प्लेइंग 11 में लौटेगा स्टार गेंदबाज, मैदान पहुंच सकते हैं रिकॉर्ड दर्शक

हैं। इससे पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कभी भी कोई नो गेंद नहीं की थी। उन्होंने वेंलिंगटन में अंतिम ओवरों में यॉर्कर डालने की कोशिश की है, लेकिन उन्होंने 72 गेंदों पर 139 रन लुटा दिए हैं। प्रिस यादव को मौका देने के लिए पिछले दो मैचों में मयंक यादव को प्लेइंग 11 से बाहर रखा गया है और चौथे मैच में भी ऐसा ही हो सकता है। इशान किशन ने चौथे टी20 से पहले नेट्स में बल्लेबाजी जरूर की है, लेकिन उनके खेलने पर सस्पेंस बना हुआ है। हालांकि, प्लेइंग 11 में उनकी वापसी होने पर वैभव एक बार फिर टीम से बाहर हो जाएंगे। पिछले मैच में वैभव ने अभिषेक शर्मा के साथ ऐतिहासिक ओपनिंग साझेदारी की थी। ऐसे में यदि वह प्लेइंग 11 का हिस्सा बनते हैं तो दोबारा पारी की शुरुआत करते नजर आ सकते हैं। न्यूजीलैंड के पास मेट हेनरी और अब लॉकी फार्ग्युसन नहीं हैं। पैर में चोट के कारण फार्ग्युसन बाहर हुए हैं। हालांकि, वह वनडे सीरीज में वापसी करेंगे। लंबी सीरीज को ध्यान में रखते हुए कीवी टीम भी अहम खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कोई रिस्क नहीं ले रही है। इसी वजह से दोनों गेंदबाजों को टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, न्यूजीलैंड के युवा गेंदबाजी अंटेक के लिए

भारतीय बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा। कीवी कप्तान मिशेल सेंटनर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का साथ नहीं मिल रहा है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 34 में से 22 टी20 मैच जीते हैं, जबकि 11 में हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने कीवी टीम के खिलाफ पिछले 5 मैचों में लगातार जीत हासिल की है और न्यूजीलैंड में अपने पिछले 10 टी20 में से 9 मैच जीते हैं। इनमें से दो मुकाबलों का नतीजा सुपर ओवर में निकला था। भारतीय टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजु सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिस यादव, वैभव सूर्यवंशी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अशंदीप सिंह, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और कुमार कुशाग्र। न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), टिम सिफर्ट, फिन एलेन, बेवोन जेकब्स, र्लेन फिलिप्स, डैरिल मिशेल, माइकल ब्रेसवेल, जोश कलार्कसन, नेथन स्मिथ, एडम मिलने, जैकब डफी, मेट फिशर और ब्लैर टिकनर।

टीम इंडिया का विजयरथ जारी, चीन को 5-2 से रौंदा, हरमनप्रीत-सुखजीत ने किए 2-2 गोल



एर्जेसी जालंधर

भारतीय हॉकी टीम ने चीन को 5-2 से हराकर अपना विजयरथ जारी रखा है। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के इस मैच में भारत ने एक बार फिर दमदार प्रदर्शन किया। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर 2 गोल दागे। वहीं, सुखजीत सिंह ने भी 2 गोल किए। जुगराज ने भी एक गोल किया। भारत ने इससे पहले बांग्लादेश को मात दी थी। ऐसे में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लीग स्टेज में भारत ने दूसरी जीत चीन पर हासिल की है। चीन के लिए यांग पेंग और चेन चोंगकोंग ने ड्रैगफ्लिक के जरिए दो गोल दागे। भारतीय टीम के साथ ही कप्तान हरमनप्रीत सिंह का शानदार फॉर्म जारी है। वह पिछले दो मैच में 4 गोल कर चुके हैं। अब भारतीय टीम का मुकाबला जापान से होगा। हॉकी इंडिया ने भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, 'दो गेम, दो जीत, इंडिया आगे बढ़ता रहे।मौजूदा चैंपियन ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 में लगातार दो जीत दर्ज कीं,

बांग्लादेश पर 13-0 की शानदार जीत के बाद अब चीन पर 5-2 से जीत हासिल की। अगला मैच: 30 अक्टूबर, शुक्रवार को जापान से होगा।' इंडिया ने पहले क्वार्टर से ही चीनी टीम के खिलाफ मैच में दबदबा बनाया। 12वें मिनट में सुखजीत के शानदार लॉब फिनिश के साथ भारत ने पहला गोल किया। सुखजीत को डिफेंस से एक एरियल पास मिला, उन्होंने बॉल को अपने पास रखा और कीपर को छकाते हुए गोल कर इंडिया को बहुत दिला दी। चीन ने 26वें मिनट में यांग पेंग के पेनल्टी कॉर्नर पर गोल के दम पर बराबरी कर ली। ब्रेक के बाद निखरा भारत का खेल ब्रेक के बाद, इंडिया ने दबाव बढ़ाया और जल्दी-जल्दी दो गोल किए। हरमनप्रीत सिंह ने 31वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और फिर सुखजीत ने तीन मिनट बाद पास से एक शानदार गोल किया। चेन चोंगकोंग ने 36वें मिनट में ड्रैगफ्लिक से स्कोर कर चीन के लिए दूसरा गोल किया। आखिरी क्वार्टर में जुगराज सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया और टीम इंडिया ने 5-2 से जीत हासिल की।



जारी रहता है, तो लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद अपने खर्च पूरे करना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को सिर्फ रुपये में मौजूद संपत्ति पर निर्भर रहने के बजाय अपने निवेश में विविधता लाने पर ध्यान देना चाहिए। अश्वत के मुताबिक रुपये की गिरावट के असर को कम करने के लिए अमेरिकी शेयरों में निवेश पर विचार करना जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर कोई निवेशक शेयरों में 100 यूनिट निवेश करता है, तो उसमें से कम से कम 50 यूनिट अमेरिकी शेयरों में लगाने पर विचार करना चाहिए। 2. सोने में भी निवेश रखें अश्वत ने सोने को भी निवेश का एक विकल्प

बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी निवेशक की संपत्ति का बड़ा हिस्सा भारतीय शेयरों जैसे रुपये में मूल्यविकित निवेश में है, तो उसे कुछ हिस्सा सोने में भी रखना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 100 यूनिट के निवेश के मुकाबले 20 यूनिट सोने में लगाने पर विचार किया जा सकता है। 3. प्रॉपर्टी खरीदने पर विचार करें अश्वत ने जमीन और क्लिा जैसी संपत्तियों को भी निवेश के संभावित विकल्पों में शामिल किया। उनका कहना है कि जमीन की उपलब्धता सीमित होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में इसकी कीमत रुपये की खरीदने की ताकत में गिरावट के असर से बचाव में मदद कर सकती है। ज्यादा संपत्ति वालों को विशेष सलाह अश्वत श्रीवास्तव ने कहा कि जिन लोगों के पास 5 करोड़ रुपये या इससे ज्यादा की संपत्ति है, उनके लिए निवेश की योजना बनाना और भी अहम हो जाता है। उन्होंने ऐसे निवेशकों को अपनी संपत्ति के बेहतर प्रबंधन और अलग-अलग देशों में निवेश के विकल्पों पर विचार करने की सलाह दी।

कर सकेंगे और बिना शुल्क के यात्रा रह कर पाएंगे। आपात स्थिति में एम्बुलेंस सेवा तक पहुंचने की सुविधा भी दी जाएगी। उबर का नया सेफ्टी फीचर ऐसे समय में आया है, जब गुरग्राम में किराये को लेकर महिला यात्री और कैब ड्राइवर के बीच विवाद का मामला सामने आया। महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर के मुताबिक, वह सुबह करीब 4:45 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचीं और वहां से गुरग्राम स्थित अपने घर जाने के लिए उबर कैब बुक कीं। ऐप पर यात्रा का किराया करीब 625 रुपये दिखाया गया था। महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि यात्रा पूरी होने के बाद ड्राइवर ने उन्हें दूसरी कैब सेवा Rapido पर 1479 रुपये किराये का स्क्रीनशॉट दिखाया और उतनी रकम मांगी।



घर में लगाएं पानी में उगने वाले ये पौधे, बढ़ेगी पाँजिटिविटी और आएगी खुशहाली!



घर को सुंदर बनाने के लिए लोग तरह-तरह के पौधे लगाते हैं। इनमें कुछ पौधे ऐसे भी हैं, जिन्हें मिट्टी के बजाय पानी में आसानी से उगाया जा सकता है। इन्हें लगाने के लिए बड़े गमले या ज्यादा जगह की जरूरत नहीं होती। बस एक कांच का जार या बोतल और थोड़ा पानी काफी है। वास्तु शास्त्र में कुछ पौधों को सुख-समृद्धि और सकारात्मकता से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि इन्हें सही दिशा में रखने से घर का माहौल अच्छा बना रहता है। आइए जानते हैं पानी में उगने वाले ऐसे 3 पौधों के बारे में।

मनी प्लांट से घर में आती है समृद्धि

मनी प्लांट को घरों में लगाने का चलन काफी पुराना है। वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में इसे धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि घर में इसकी हरी-भरी बेल होने से सकारात्मकता बनी रहती है और तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं। इस पौधे को उगाने के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती है। इसकी एक स्वस्थ कटिंग को पानी से भरे कांच के जार में रखकर आसानी से बढ़ाया जा सकता है। वास्तु के अनुसार, मनी प्लांट के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा शुभ मानी जाती है। पौधे की देखभाल करते समय ध्यान रखें कि इसकी

पत्तियां पीली या सूखी होने पर उन्हें हटा दें। बेल को व्यवस्थित तरीके से ऊपर की ओर बढ़ने दें और समय-समय पर पानी बदलते रहें।

लकी बैम्बू से बना रहता है सुख-शांति का माहौल

लकी बैम्बू यानी बैम्बू प्लांट अपनी खूबसूरत बनावट के कारण घर और ऑफिस की सजावट में खूब इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु और फेंगशुई में इसे सौभाग्य, तरक्की और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे कांच के पारदर्शी बर्तन में पानी भरकर रखा जा सकता है। सजावट के लिए बर्तन में रंगीन पत्थर भी डाल सकते हैं, ताकि पौधा आकर्षक दिखाई दे। मान्यता के अनुसार, इसे पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इसकी देखभाल में लापरवाही न करें। बर्तन का पानी नियमित रूप से बदलें और जड़ों को साफ रखें। ध्यान रहे कि पौधे की जड़ें पानी में रहें, लेकिन पत्तियों का बड़ा हिस्सा पानी के अंदर ना डूबे।

पीस लिली घर को देती है खूबसूरत लुक

पीस लिली अपने चमकदार हरे पत्तों और सफेद फूलों के लिए जानी जाती है। इसका शांत और आकर्षक रूप घर के किसी भी कोने की

सुंदरता बढ़ा सकता है। वास्तु शास्त्र में इसे शांति, पवित्रता और पारिवारिक सौहार्द से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि इसकी मौजूदगी घर के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने में मदद करती है। इसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखने की सलाह दी जाती है। पीस लिली को पानी में उगाना संभव है, लेकिन इसके लिए जड़ों को मिट्टी से सावधानीपूर्वक साफ करके पानी में रखना चाहिए। पौधे को तेज धूप से बचाएं और ऐसी जगह रखें, जहां पर्याप्त रोशनी मिल सके। पानी को साफ रखना भी जरूरी है, ताकि जड़ों की सेहत बनी रहे।

वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी 2026: जब देवताओं को सताने लगा असुर, तब गणेश जी ने लिया ये रूप

कांच के बर्तन में पौधे लगाने का सही तरीका

पानी में पौधे उगाने के लिए साफ कांच का जार या बोतल अच्छा विकल्प है। इससे जड़ों की स्थिति देखना आसान रहता है और पौधे भी सुंदर दिखाई देते हैं। सबसे पहले बर्तन को अच्छी तरह साफ करें और उसमें जरूरत के अनुसार पानी भरें। मनी प्लांट की कटिंग या लकी बैम्बू की जड़ों को पानी में रखें। पीस लिली को पानी में उगाते समय उसकी जड़ों से मिट्टी पूरी तरह हटाना जरूरी है। समय-समय

पर पानी बदलें और बर्तन की अंदरूनी सतह पर जमा गंदगी साफ करते रहें। अगर पानी से दुर्गंध आने लगे या जड़ें गलने लगें, तो तुरंत पानी बदलकर खराब हिस्सों को हटा दें। पौधों की नियमित देखभाल से वे लंबे समय तक हरे-भरे रह सकते हैं।

पौधों की दिशा और देखभाल का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में पौधों की दिशा को खास महत्व दिया जाता है। मनी प्लांट के लिए दक्षिण-पूर्व, लकी बैम्बू के लिए पूर्व या उत्तर-पूर्व और पीस लिली के लिए उत्तर या पूर्व दिशा को शुभ माना जाता है। हालांकि, पौधे की सेहत के लिए सही रोशनी, साफ पानी और उचित देखभाल भी जरूरी है। केवल पौधा लगा देने से धन-संपत्ति मिलने की गारंटी नहीं होती है।

जीवन में हर तरफ दिखे निराशा, तो हिम्मत देंगे रामायण के ये प्रेरक श्लोक वास्तु शास्त्र के अनुसार, हरे-भरे पौधे घर में सकारात्मक माहौल बनाने का प्रतीक हैं। इसलिए अपनी पसंद और घर में उपलब्ध जगह के अनुसार इन पौधों को लगाएं। नियमित देखभाल के साथ ये घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ आसपास के वातावरण को भी खुशनुमा बनाए रख सकते हैं।

कुंडली में कमजोर चंद्रमा देखकर न पहनें रत्न, इन 4 लग्न वालों के लिए है सरस्वत नियम

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन, मानसिक शांति, भावनाओं, संवेदनशीलता और सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। वहीं रत्न शास्त्र में मोती को चंद्रमा से जुड़ा रत्न माना जाता है। यही कारण है कि कई ज्योतिष कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर होने पर मोती धारण करने की सलाह देते हैं। हालांकि हर व्यक्ति के लिए मोती शुभ हो, ऐसा जरूरी नहीं होता है। वहीं पसंद या फैसल के आधार पर मोती पहनने से बचना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किन लग्न वाले लोगों के लिए मोती पहनना शुभ होता है और किन लग्न वाले लोगों को इस रत्न को नहीं पहनना चाहिए।

किसे नहीं पहनना चाहिए मोती

ज्योतिष मान्यताओं के मुताबिक कन्या, मिथुन, मकर और कुंभ लग्न वाले जातकों को बिना कुंडली दिखाए मोती नहीं पहनना चाहिए। इन लग्न में चंद्रमा अलग-अलग भावों का स्वामी होता है। इसलिए चंद्रमा को मजबूत करने का प्रभाव भी अलग-अलग हो सकता है। हालांकि सिर्फ लग्न के आधार पर किसी जातक को मोती धारण करने के योग्य और अयोग्य नहीं मानना चाहिए। इसके लिए कुंडली में चंद्रमा की वास्तविक स्थिति को देखना भी जरूरी होता है।

कुंडली में मजबूत चंद्रमा होने पर

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा अपनी राशि कर्क, उच्च राशि वृषभ या किसी शुभ केंद्र-त्रिकोण भाव में मजबूत स्थिति में विराजमान है, तो बिना ज्योतिष की सलाह पर मोती नहीं धारण करना चाहिए। मान्यता है कि रत्न संबंधित ग्रह की शक्ति को बढ़ाता है। वहीं पहले से मजबूत चंद्रमा को हर कुंडली में अधिक मजबूत करने की जरूरत नहीं होती है।

राहु-केतु से पीड़ित चंद्रमा

अगर चंद्रमा की राहु या केतु के साथ युति है, या फिर चंद्रमा पर इस ग्रहों का प्रभाव हो, तो सिर्फ चंद्रमा को कमजोर मानकर मोती धारण नहीं करना चाहिए। इस स्थिति में कुंडली में बनने वाले ग्रह योग और चंद्रमा के भाव स्वामित्व को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए।

वृश्चिक राशि के लिए मोती

वृश्चिक राशि में चंद्रमा नीच का माना जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस राशि में चंद्रमा होने पर हर जातक को मोती धारण करना चाहिए। चंद्रमा किस भाव में है और किन ग्रहों



के साथ है और चंद्रमा पर किसकी दृष्टि है और वर्तमान में क्या दशा है। इन सभी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

इस लग्न वाले रखें खास सावधानी

मकर लग्न में चंद्रमा सप्तम भाव में और कुंभ लग्न की कुंडली में चंद्रमा छठे भाव का स्वामी होता है। इसलिए कुंभ और मकर लग्न के लोगों में मोती धारण करने का निर्णय विशेष सावधानी से लिया जाता है। बिना कुंडली के विश्लेषण के मोती धारण करना उचित नहीं माना जाता है।

किन लग्न वालों के लिए शुभ हो सकता है मोती

परंपरागत ज्योतिष के मुताबिक मेष, कर्क, वृश्चिक और मीन लग्न के लोगों के लिए मोती अपेक्षाकृत अनुकूल माना जाता है। इसका कारण

इन लगनों में चंद्रमा का स्वामित्व भाव है। फिर भी अंतिम फैसला पूरी कुंडली देखने के बाद करना अधिक बेहतर माना जाता है।

सिर्फ चंद्र राशि देखकर न धारण करें मोती

मोती को धारण करने के लिए सिर्फ चंद्र राशि देखना काफी नहीं है। बल्कि लग्न, चंद्रमा की स्थिति, उसका भाव, ग्रहों की युति, दृष्टि और वर्तमान महादशा और अंतरदशा जैसे कारकों को देखना भी जरूरी है। एक ही चंद्र राशि वाले दो जातकों के लिए मोती को लेकर अलग-अलग सलाह हो सकती है। ध्यान रखें कि कोई भी रत्न धारण करने से पहले किसी योग्य ज्योतिष से अपनी कुंडली का विश्लेषण कराना जरूरी होता है।

मेष: पैसों पर चर्चा और बातचीत की अहमियत चंद्रदेव मिथुन राशि में हैं, जो पैसों से जुड़ी बहुत अच्छी चर्चाएं या आमदनी बढ़ाने के नए विचार ला सकते हैं। आपको किसी रुके हुए भुगतान या कमाई के नए मौके के बारे में जानकारी मिल सकती है। हालांकि, पैसा लगाने से पहले समझौतों को अच्छी तरह जांच लें। बिना सोचे-समझे खरीदारी करने और जोखिम भरे निवेशों से पूरी तरह दूर रहें।

वृष: बचत पर ध्यान और कागजी जांच आज अपनी बचत और आर्थिक सुरक्षा पर पूरा ध्यान दें। मिथुन राशि के चंद्रदेव आपको अपने खर्च करने के आदतों की समीक्षा करने और आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आपकी बातचीत के किसी के लुभावने वादों पर भरोसा न करें। पैसों से जुड़ा कोई भी वादा करने से पहले भुगतानों के समय को जरूर जांच लें। मिथुन: प्राथमिकताओं की समीक्षा और संवाद चंद्रदेव आपकी ही राशि में हैं, जो आपको पैसों से जुड़ी प्राथमिकताओं पर दोबारा सोचने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आपकी बातचीत आपकी कमाई को बेहतर बना सकती है, पर किसी अच्छे दिखने वाले मौके और पक्की आमदनी के बीच का फर्क समझना बहुत जरूरी है। फालतू चीजें न खरीदें और बिना स्पष्ट शर्तों के किसी को उधार न दें। सही योजना आपको आर्थिक रूप से मजबूत रखेगी।

कर्क: भविष्य की योजना और शांत शुरुआत आपकी राशि में बृहस्पतिदेव बैठे हैं जो लंबे समय की आर्थिक तरक्की के बारे में सोचने की प्रेरणा दे रहे हैं। हालांकि, मिथुन राशि के चंद्रदेव आपके रुके हुए भुगतानों या ऐसे खर्चों पर ध्यान दिला सकते हैं जिन्हें पास से देखने की जरूरत है। तनाव दूर करने के लिए बिना सोचे-समझे पैसे खर्च न करें। बुरे वक्त के लिए कुछ पैसे हमेशा बचाकर रखें।

सिंह: नए विचार और पुराने संपर्क दोस्तों या कारोबारी साथियों के साथ बातचीत करने से पैसों से जुड़े बहुत अच्छे विचार मिल सकते हैं। आप किसी साझे के प्रोजेक्ट पर विचार कर सकते हैं या कमाई का कोई दूसरा जरिया ढूंढ सकते हैं। किसी दूसरे ईसान के वादों पर पूरी तरह निर्भर न रहें। अपने पैसों के लेन-देन



को ध्यान से देखें और अपने खर्चों को अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार ही रखें।

कन्या: आर्थिक सुरक्षा और कूटनीति से काम आपका पूरा ध्यान अपनी आर्थिक सुरक्षा और हाल ही में लिए गए फैसलों के नतीजों पर रहेगा। मिथुन राशि का चंद्रदेव आपके पेशेवर विकास को आपकी आमदनी से जोड़ सकता है। जल्दी मुनाफा कमाने के चक्कर में कोई भी अनावश्यक जोखिम न उठाएं। भुगतानों के समय को जांच लें और ऐसे फैसले लें जो आपके लंबे समय के आर्थिक लक्ष्यों को मजबूत करें।

तुला: पुरानी समीक्षा और शांत दृष्टिकोण आपकी ही राशि में बुध और शुक्र वक्री चल रहे हैं, जिससे पैसों के मामलों की गहरी समीक्षा करना बहुत जरूरी हो गया है। आप किसी खरीदारी पर दोबारा सोच सकते हैं, पुराने भुगतान के तरीके को देख सकते हैं या किसी ऐसे हिसाब को पा सकते हैं जिसे सुधारने की जरूरत है। मिथुन राशि का चंद्रदेव शोध करने और तुलना करने में मदद करेगा। निवेश या समझौतों में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक: साझा जिम्मेदारियां और शांत रिक्तों साझे के पैसों, कर्ज चुकाने, टैक्स या अन्य जिम्मेदारियों पर ध्यान देने की जरूरत है। मिथुन राशि का चंद्रदेव हर व्योरे को बहुत ध्यान से जांचने की प्रेरणा दे रहा है। बिना भुगतान की शर्तें समझे कोई नया कर्ज या जिम्मेदारी अपने सिर न लें। अपने पैसों के रिक्तों को देखने से आपको रुके हुए भुगतान ढूंढने और गलतियों को सुधारने में मदद

मिलेगी।

धनु: साझेदारियों की शर्तें और लिखित वादे कारोबारी साझेदारियों और समझौते आपके पैसों के फैसलों पर गहरा असर डालेंगे। आप किसी पुराने समझौते को दोबारा देख सकते हैं या मिलकर किसी नए प्रोजेक्ट पर बात कर सकते हैं। मिथुन राशि का चंद्रदेव वार्ताओं में मदद करता है, पर वक्री बुधदेव हर बात की अच्छी तरह जांच करने की सलाह दे रहे हैं।

महत्वपूर्ण शर्तों को हमेशा लिखित में रखें और पैसा लगाने से पहले फायदे और नुकसान की तुलना कर लें।

मकर: बजट की समीक्षा और व्यवस्थित दिनचर्या अपने खर्च करने के तरीकों को देखने और नियमित भुगतानों को व्यवस्थित करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। मिथुन राशि का चंद्रदेव व्यावहारिक शोध और चीजों की तुलना करने में मदद करेगा। अपने बजट को बेहतर बनाने के लिए किसी फालतू खर्च को तुरंत हटा दें। अधूरी जानकारी के आधार पर पैसों का कोई बड़ा फैसला न लें।

कुंभ: रचनात्मक विचार और व्यावहारिक उम्मीदें आपके मन में आने वाले रचनात्मक विचार आपको कमाई के नए रास्ते तलाशने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी अच्छे दिखने वाले विचार और कमाई के एक भरोसेमंद जरिए के बीच का फर्क जरूर समझें। मिथुन राशि का चंद्रदेव किसी भी विचार की पूरी जानकारी लेने में मदद करेगा। वक्री शुक्रदेव महंगी चीजों को खरीदने में सावधानी बरतने के लिए कह रहे हैं।

मीन: घरेलू खर्चों और संतुलित जिम्मेदारियां घर-परिवार के खर्चों, संपत्ति से जुड़े मामलों या पारिवारिक पैसों पर चर्चा करने की जरूरत पड़ सकती है। कर्क राशि के बृहस्पतिदेव समझदारी से योजना बनाने में पूरा साथ दे रहे हैं। मिथुन राशि का चंद्रदेव बजट की समीक्षा करने और विकल्पों की तुलना करने में मदद करेगा। कोई भी बड़ा सामान खरीदने से पहले उसके कुल खर्च को जरूर सोच लें। आपातकालीन बचत को हमेशा सुरक्षित रखें।

सूरत के भूत मामा मंदिर में सिगरेट चढ़ाते हैं भक्त, पूरी होती है मन्नत

भारत देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर देवी-देवताओं को अनेखा चढ़ावा चढ़ाया जाता है। बता दें कि गुजरात के सूरत में एक खास मंदिर है। यहां पर भक्त भगवान को फूल, प्रसाद या मिठाई आदि नहीं बल्कि सिगरेट का चढ़ावा चढ़ाते हैं। इस मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्त इस विश्वास के साथ सिगरेट को जलाकर रखते हैं कि भूत मामा उनकी परेशानियों को दूर करके मनोकामना पूरी करेंगे। सूरत के अथवाल लाइन्स इलाके में आदर्श सोसाइटी के सहित भूत मामा मंदिर करीब 100 साल पुराना बताया जाता है। तो वहीं कुछ लोगों का मानना है

कि मंदिर करीब 125 से 130 साल पुराना है। इस मंदिर की प्राचीनता ही इसकी खासियत नहीं है, बल्कि यहां पर पीढ़ियों से चली आ रही अनेखी परंपरा भी काफी प्रसिद्ध है। स्थानीय लोककथाओं के अनुसार, यह कहानी उस दौर की है, जब इस इलाके में बंजारा समुदाय के लोग रहते थे। सालों पहले जब बंजारा समुदाय के सामने खाने की गंभीर कमी हो गई, तो एक बंजारे की मौत हो गई। उस बंजारे की याद में एक समाधि बनाई गई और समय के साथ उनको स्थानीय लोग भूत मामा के रूप में पूजने लगे। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि भूत मामा सिर्फ



एक रक्षक देवता हैं। उन्होंने ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए अपनी जान दे दी थी। इसलिए उनकी मौत के बाद लोग उनको संरक्षक देवता मानकर रक्षा और आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं। भूत मामा मंदिर की अनेखी परंपरा सिगरेट चढ़ाना है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भूत मामा को धूपपान का काफी ज्यादा शौक था। इस वजह से भक्त आस्था और भक्ति के प्रतीक के रूप में भूत मामा को सिगरेट भेंट करते हैं। तो वहीं कुछ भक्त मंदिर में सिगरेट का पैकेट रख देते हैं और कुछ अन्य देवता के सामने भी सिगरेट जलाते हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक एक

दिन में मंदिर में दर्जनों सिगरेट भेंट की जाती हैं। यहां पर दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए सिगरेट सिर्फ सिगरेट नहीं बल्कि एक प्रतीकात्मक अर्पण बन गया है। जोकि खासतौर पर भूतमामा को खुश करने के लिए अर्पित किया जाता है। शायी संबंधी बाधाओं को दूर करते हैं भूत मामा बता दें कि इस मंदिर की लोकप्रियता सिर्फ इसकी अनेखी रस्मों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि यहां पर भूत मामा के दर्शन के लिए भक्त आते हैं और उनके मन में पारिवारिक जीवन, सेहत, आजीविका और विवाह से जुड़ी कई तरह की परेशानियों और आशाएं होती हैं।

बैतूल के जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं का `इलाज` कब..!

डॉक्टरों की कमी,वाई बॉय की कथित लापरवाही और सीटी स्कैन काउंटर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल जनप्रतिनिधियों की निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही आखिर कहां

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हुआ, लेकिन यहां इलाज की तलाश में पहुंचने वाले गरीब और आदिवासी मरीजों की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।डॉक्टरों की कमी,घंटों इंतजार,मरीजों को जांच केंद्रों तक पहुंचने में होने वाली दिक्कतें और सीटी स्कैन काउंटर की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रही शिकायतें स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। सवाल सीधा है,जब जिले में सत्ता और जनप्रतिनिधित्व के प्रमुख चेहरे मौजूद हैं,तब अस्पताल की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा आखिर क्यों नहीं हो रही। जिला अस्पताल में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए इलाज कराना केवल बीमारी से लड़ना नहीं,बल्कि व्यवस्थागत परेशानियों से जुझना भी बन जाता है।आरोप हैं कि कई मरीजों को डॉक्टर के इंतजार में तीन से छह घंटे तक बैठना पड़ता है। डॉक्टर उपलब्ध होने पर भी यदि मरीज की समुचित जांच और चिकित्सकीय परामर्श के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता,तो सरकारी स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य ही प्रभावित होता है। सबसे अधिक परेशानी आदिवासी और कोरकू समाज के उन मरीजों को उठानी पड़ती है,जो दूरस्थ गांवों से सीमित संसाधनों के साथ अस्पताल पहुंचते हैं।उन्हें सीटी स्कैन,एक्स-रे और ब्लड सैप्लिंग जैसे जांच केंद्रों की जानकारी देने वाला जिम्मेदार कर्मचारी समय पर नहीं मिलता,तो उनकी परेशानी कई गुना बढ़ जाती है।

मोबाइल में व्यस्त कर्मचारी, मरीज भटकने को मजबूर पीएम अभीम क्रिटिकल केयर ब्लॉक में कार्यरत कुछ पुरुष

19 करोड़ का अस्पताल, लेकिन मरीजों को इलाज के लिए इंतजार



वाई बॉय की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायतों के मुताबिक, कुछ कर्मचारी मरीजों की सहायता करने के बजाय मोबाइल चलते या प्रवेश द्वार पर खड़े दिखाई देते हैं। वहीं,महिला कर्मचारियों पर काम का अधिक बोझ होने की बात भी सामने आती है। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है,लेकिन मरीजों को जांच केंद्रों तक पहुंचाने और आवश्यक मार्गदर्शन देने का काम नहीं हो रहा,तो यह अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी तय करने का विषय है।रात के समय गंभीर मरीजों के पहुंचने पर स्थिति और संवेदनशील हो जाती है। दुर्घटनाग्रस्त मरीज को तत्काल जांच की जरूरत होती है। ऐसे में कर्मचारी की उदासीनता या सही जानकारी नहीं मिलना उपचार में देरी का कारण बन सकता है। और रात के समय में जिला मुख्यालय पर डॉक्टर नदरत रहते हैं जिससे

मरीजों को ज्यादा परेशानी होती है। 881.24 की रसीद और मुफ्त जांच के दावे पर सवाल द्रामा सेंटर एवं जिला क्षय उन्मूलन केंद्र स्थित सीटी स्कैन काउंटर की कार्यप्रणाली को लेकर सबसे गंभीर सवाल उठ रहे हैं।वहां प्रदर्शित सूचना के अनुसार गरीबी रेखा के पात्र हितग्राहियों और आयुष्मान कार्डधारकों को निर्धारित शर्तों के तहत निःशुल्क सीटी स्कैन की सुविधा मिलने की बात कही जाती है।इसके बाद भी शिकायत है कि कुछ मरीजों से 881.24 की रसीद कटवाई जाती है।यह भी आरोप है कि काउंटर पर बार-बार सर्वर डाउन होने की बात कहकर कई घंटे इंतजार कराया जाता है। यदि ऐसा हो रहा है,तो अस्पताल प्रबंधन को स्पष्ट करना चाहिए कि मुफ्त जांच की पात्रता क्या है, शुल्क किन परिस्थितियों में लिया जाता है और सर्वर संबंधी

समस्या का समाधान करने की व्यवस्था क्या है।एक दिन शुल्क देकर जांच कराने और अगले दिन पात्रता दस्तावेजों के आधार पर निःशुल्क जांच कराने पर कथित पुछताछ या आपत्ति की स्थिति भी जांच का विषय है। मरीजों को नियमों की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए,न कि काउंटर पर असमंजस का सामना करना पड़े। सोशल मीडिया वीडियो से असहजता,लेकिन मरीजों की शिकायतों का क्या अस्पताल की लिफ्ट और भवन संबंधी समस्याओं को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद प्रबंधन की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। लेकिन अस्पताल की वास्तविक स्थिति का आकलन केवल किसी वीडियो को स्पष्ट करना चाहिए कि मुफ्त जांच की पात्रता क्या हो सकता। असली कसौटी यह है कि मरीज को समय पर

डॉक्टर,आवश्यक जांच और सम्मानजनक व्यवहार मिल रहा है या नहीं।बैतूल में प्रदेश और केंद्र स्तर के प्रमुख जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी के बाद भी जिला अस्पताल की समस्याओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, किसी जनप्रतिनिधि ने अस्पताल की समीक्षा की है या नहीं, इसका निष्कर्ष रिकॉर्ड और आधिकारिक जानकारी के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। अब जवाबदेही तय होनी चाहिए जिला अस्पताल प्रबंधन को डॉक्टरों की उपलब्धता, इयूटी रोस्टर,वाई बॉय की जिम्मेदारियों,सीटी स्कैन शुल्क,निःशुल्क जांच की पात्रता और सर्वर डाउन रहने की शिकायतों पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देना चाहिए। शिकायतों की जांच कर दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए।

करोड़ों रुपये की इमारत अपने आप बेहतर स्वास्थ्य सेवा की गारंटी नहीं होती। अस्पताल की असली पहचान वहां पहुंचने वाले गरीब मरीज को समय पर इलाज,सही जानकारी और सम्मान मिलने से बनती है। यदि व्यवस्था में खामियां हैं, तो उन्हें स्वीकार कर सुधारना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जनप्रतिनिधियों से भी अपेक्षा है कि वे अस्पताल का निरीक्षण कर केवल औपचारिकता नहीं,बल्कि मरीजों की समस्याओं के समाधान की समयबद्ध समीक्षा सुनिश्चित करें। बैतूल के मरीजों का सवाल साफ है।अस्पताल की इमारत खड़ी हो गई,अब जवाबदेह स्वास्थ्य व्यवस्था कब खड़ी होगी।

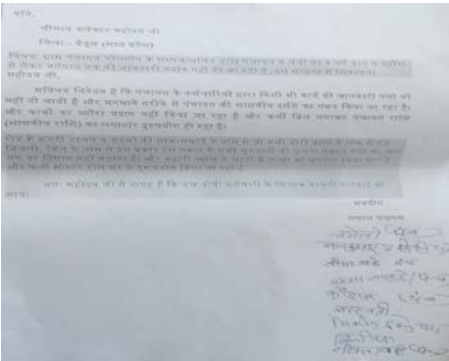


कोलगांव पंचायत में भुगतान पर सवाल,पंचों ने खोला मोर्चा

बजरी,सफाई,बोरी बंधान और बिजली बिल के नाम पर लाखों के भुगतान में गड़बड़ी के आरोप सरपंच की बर्वास्तगी और सचिव पर एफआईआर की मांग

दैनिक कारखाने का सफर। कोलगांव

घोड़ाडोगरी ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोलगांव में शासकीय राशि के भुगतान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सरपंच और सचिव की कथित कार्यप्रणाली से परेशान पंचायत के पंचों ने अब कलेक्टर के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए विलीय अनियमितताओं की जांच की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विभिन्न कार्यों के नाम पर कथित तौर पर अपात्र लोगों के खातों में लाखों रुपये का भुगतान किया गया,जबकि पंचायत के निर्वाचित पंचों को चार साल बीतने के बाद भी खर्चों का हिसाब नहीं दिया गया।कोलगांव पंचायत के अंतर्गत जाजपुर, जाजबोड़ी,कोलगांव और मरकाढाना गांव आते हैं। पंच चमेली धुर्वे,राजकुमार इवने और सीमा इवने सहित अन्य शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सड़क पर बजरी डालने, साफ- सफाई,बोरी बंधान और बिजली बिल के भुगतान में भारी गड़बड़ियां की गई हैं। उनका दावा है कि इन मदों में किए गए भुगतानों की पारदर्शी जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों को उपलब्ध नहीं कराई गई।शिकायत में संजय रायपुरे,कौशल, सरस्वती और शिवदिन इवने ने कथित फर्जी मस्टर रोल तैयार कर शासकीय राशि के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया है। पंचों का कहना है कि पंचायत के



कार्यों और भुगतान का विवरण सार्वजनिक नहीं होना गंभीर सवाल खड़े करता है। अब जांच और कार्रवाई की मांग शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करारक भुगतान संबंधी दस्तावेजों, मस्टर रोल और संबंधित खातों की पड़ताल कराने की मांग की है। साथ ही मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 40 और 41 के तहत सरपंच के विरुद्ध कार्रवाई तथा सचिव पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है।अब सवाल यह है कि शिकायत पर प्रशासन कितनी गंभीरता दिखाता है और पंचायत के खर्चों का हिसाब जांच में कितना पारदर्शी साबित होता है।

अटल सुहाग की कामना, चांद के दीदार से पूर्ण हुआ करवाचौथ व्रत

पाटाखेड़ा के वाई क्रमांक-1 में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई पूजा-अर्चना, 30 वर्षों से परंपरा को संजो रहीं कथा वाचिका आशु अरोरा



दैनिक कारखाने का सफर। सारणी

पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख-समृद्धि की मंगलकामना के साथ करवाचौथ का पावन पर्व पाटाखेड़ा के वाई क्रमांक-1 में श्रद्धा,आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पंजाबी समाज की महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और करवामाता से अपने सुहाग की रक्षा तथा वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की।कार्यक्रम में मुख्य कथा वाचिका आशु अरोरा ने करवाचौथ की पूजा संपन्न कराई। वे पिछले 30 वर्षों से सारनी क्षेत्र की विभिन्न महिलाओं के साथ प्रतिवर्ष इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन में आयोजित पूजा में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सामूहिक रूप से करवाचौथ की कथा का श्रवण किया।करवाचौथ हिंदू विवाहित महिलाओं के लिए



विशेष महत्व रखने वाला पर्व है। परंपरागत मान्यता के अनुसार, इस दिन महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं और भगवान शिव,माता पार्वती,भगवान गणेश तथा करवा माता की पूजा करती हैं। मान्यता है कि यह व्रत पति की लंबी आयु,अखंड सौभाग्य और परिवार की खुशहाली की कामना के लिए रखा जाता है। शाम को

चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने और व्रत का पारण करने के साथ इस पर्व की धार्मिक परंपरा पूर्ण होती है।इस वर्ष आयोजित करवाचौथ पूजा में आशु अरोरा, रितु बत्रा, उषा बत्रा, मीनू दुआ, नीलम सतीजा, संगीता पारवानी, रेणु एरोलू,शिखा एरोलू, अलका आहूजा, पायल आहूजा,अमृता सलूजा, राधा बत्रा और नीरु दुआ सहित पंजाबी समाज की महिलाओं

ने सहभागिता की,पूजा के दौरान भक्ति, पारंपरिक रीति-रिवाजों और आपसी सौहार्द का वातावरण बना रहा। महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, दंपत्य जीवन में प्रेम और अटूट विश्वास की कामना के साथ पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। इस आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता की सुंदर झलक देखने को मिली है।

70 लाख का कचरा परिवहन ठेका सवालों के घेरे में

सारणी में 34 से अधिक कैंपर,फिर भी ठेके पर कचरा उठाने की नौबत क्यों घटती आबादी के बीच रोजाना 12 से 15 टन कचरे के दावे की जांच जरूरी

दैनिक कारखाने का सफर। सारणी

विद्युत नगरी सारणी की नगर पालिका परिषद में कचरा परिवहन पर करीब 70 लाख रुपये खर्च किए जाने का मामला अब सवालों के घेरे में है। नगर पालिका के पास 34 से अधिक कैमर वाहत होने की बात सामने आ रही है, इसके बाद भी शहर से कचरा उठाने और परिवहन के लिए ठेका दिए जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर जब पालिका के पास अपने वाहन मौजूद हैं, तो अतिरिक्त ठेके की जरूरत और उसकी उपयोगिता का आधार क्या है।क्या वाहनों का पूरा उपयोग हो रहा है और यदि हो रहा है,तो ठेके के जरिए किस अतिरिक्त व्यवस्था की आवश्यकता पड़ी इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और निष्पक्ष जांच से ही सामने आ सकता है। घटता शहर,बढ़ता कचरा अंकड़ों का हिसाब कौन देगा इस मामले का सबसे अहम फलू सारनी,पाषाखेड़ा, शोभापुर और बगडाना क्षेत्र की बदलती आबादी है। स्थानीय स्तर पर



मतदाताओं की संख्या पहले करीब 1 लाख 12 हजार होने और अब घटकर लगभग 43 हजार रह जाने का दावा किया जा रहा है। यदि ये आंकड़े सही हैं,तो इनके पीछे पलायन और आबादी में आए बदलाव का आकलन भी जरूरी है। पाषाखेड़ा की कई बस्तियों में लंबे समय से बंद पड़े आवासों का हवाला देते हुए सवाल उठता जा रहा है कि आखिर प्रतिदिन 12 से 15 टन कचरा कहां से एकत्रित हो रहा है।हालांकि मतदाताओं की



संख्या में कमी अपने आप में कचरे की मात्रा कम होने का प्रमाण नहीं है। इसके लिए वार्डवार कचरा संग्रहण, वजन पंक्तियों,परिवहन रिकॉर्ड और निस्तारण केंद्र तक पहुंचने वाले कचरे के आंकड़ों का मिलान करना होगा। यही वह बिंदु है, जहां नगर पालिका की व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है।नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है।आरोप है कि पालिका के उपलब्ध



वाहनों से कचरा संग्रहण की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया जा रहा और ठेका व्यवस्था पर निर्भरता बनी हुई है।यदि ऐसा है,तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है।क्या वाहनों की स्थिति, चालक उपलब्धता,ईंधन खर्च और प्रतिदिन तय किए जाने वाले रूट की समीक्षा हुई है। करीब 70 लाख रुपये को निविदा में भुगतान की शर्त,काम का दायरा और वास्तविक परिवहन मात्रा सार्वजनिक होने से इन सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

ठेकेदार को काम सौंपने के तरीके पर भी उठे सवाल सृजों के हवाले से यह आरोप भी सामने आया है कि संबंधित ठेकेदार ने नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षक को संज्ञान में लिए बिना कचरा परिवहन का काम एक अन्य व्यक्ति को सौंप दिया। यदि काम आगे किसी अन्य व्यक्ति को दिया गया है,तो यह जांचना जरूरी होगा कि निविदा की शर्तों में इसकी अनुमति थी या नहीं और सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति ली गई थी या नहीं। बिना दस्तावेजों जांच किसी अधिकारी,ठेकेदार या जनप्रतिनिधि को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा, लेकिन सार्वजनिक धन से जुड़े इस मामले में सवालों का जवाब मिलना जरूरी है। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले उठी जवाबदेही की मांग 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के बैतूल आगमन के

महेंदर यह मामला उनके समक्ष शिकायत के रूप में रखे जाने की संभावना जताई जा रही है। कचरा परिवहन की निविदा, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका,ठेकेदार के भुगतान और पिछले पांच वर्षों के रिकॉर्ड की जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगे जाने की बात भी सामने आई है। अब निगाहें इस पर हैं कि नगर पालिका जानकारी उपलब्ध कराती है या नहीं और शिकायत मिलने पर सक्षम अधिकारी जांच कराते हैं या नहीं।(सवाल सीधा है।70 लाख के खर्च के बदले जमीन पर कितना काम हुआ इसका जवाब आरोप-प्रत्यारोप से नहीं,बल्कि निविदा की प्रतियों,वाहन लॉगबुक, वजन पंक्तियों,भुगतान बिलों और वार्डवार निरीक्षण रिपोर्ट से मिलना चाहिए। सारनी के नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि उनके शहर की सफाई पर खर्च होने वाला पैसा किस तरह इस्तेमाल हो रहा है। यदि व्यवस्था पारदर्शी है,तो रिकॉर्ड सामने आने में संकोच कैसा और यदि नहीं अनियमितता हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949

